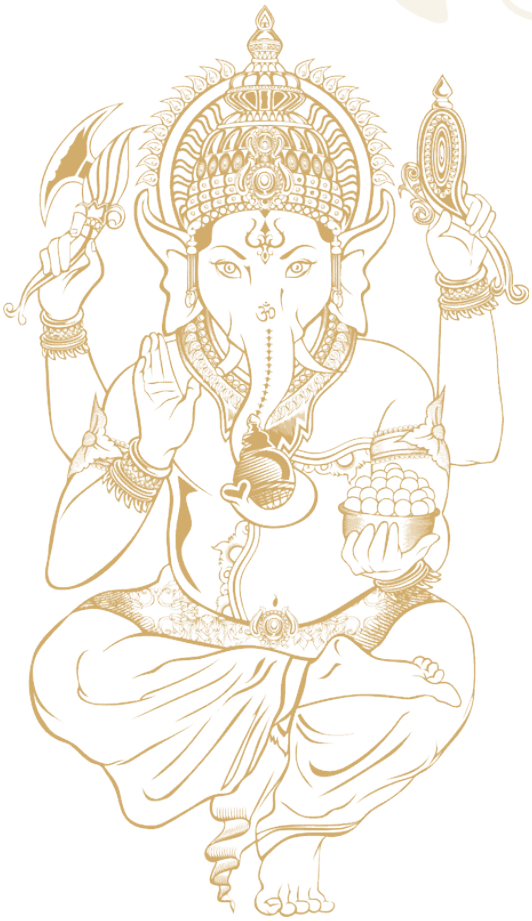

MADHAV SONIA

Ms.

Model: Web-MatchAnalysis

Order No: 119754301

कुँडली मिलान का महत्व

वैवाहिक जीवन में अनुकूलता हेतु जन्मकुण्डली मिलान किया जाता है।

इसमें सर्वप्रथम अष्टकूट मिलान किया जाता है। जातक की राशि व नक्षत्र के अनुसार उसका वर्ण, वश्य, तारा, योनि, राशेश, गण, भकूट एवं नाडी का ज्ञान करके वर-वधू के जीवन की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता का निर्णय किया जाता है। वर्ण विचार से कर्म, वश्य विचार से स्वभाव, तारा विचार से भाग्य, योनि विचार व ग्रह मैत्री विचार से पारस्परिक संबध, गण से सामाजिकता, भकूट से जीवन में तालमेल एवं नाड़ी विचार से स्वास्थ्य व सतांन संबधी फल का विचार किया जाता है। इन सभी गुणों को क्रमशः 1 से 8 तक अंक दिये जाते है। इस प्रकार अष्टकूट विचार में कुल 36 गुणों का विचार किया जाता है। जिसमें कम से कम 18 गुणों का होना आवश्यक है। इससे कम गुण वाले विवाह ज्योतिषीय विधान के अनुसार अव्यवहारिक रहते हैं।

अष्टकूट मिलान के साथ मांगलिक दोष का विचार भी अति महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि मंगल लग्न कुंडली में 1,4,7,8 एवं 12 वें भाव में स्थित हो तो मंगली दोष होता है। मंगली दोष निवारण के लिए आवश्यक है कि वर-वधू दोनों मंगली न हों या दोनों मंगली हों। शास्त्रों में इनके अलावा भी दोष निवारण के सूत्र दिए गए हैं। इस दोष के निवारण से किसी प्रकार के अमंगल की संभावनाएं कम हो जाती है और वैवाहिक जीवन सुख व शांतिपूर्ण गुजरता है।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29-30/09/1994	जन्म तिथि	13/07/1997
गुरु-शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 02:03:27	जन्म समय	12:47:00 घंटे
घटी 49:36:17	जन्म समय(घटी)	18:07:10 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Amritsar
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	31:35:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	74:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:56	सूर्योदय	05:34:38
18:08:37	सूर्यास्त	19:37:01
23:47:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:20

कर्क	लग्न	कन्या
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कर्क	राशि	तुला
चन्द्र	राशि-स्वामी	शुक्र
पुष्य	नक्षत्र	चित्रा
शनि	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	3
शिव	योग	सिद्ध
वणिज	करण	बव
हू-हुकमसिंह	जन्म नामाक्षर	रा-राखी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मेष	योनि	व्याघ्र
देव	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मृग

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 18वर्ष 2मा 23दि		17:33:04	कर्क	लग्न	कन्या	27:57:27	मंगल 2वर्ष 8मा 4दि	
बुध		12:40:40	कन्या	सूर्य	मिथु	27:07:01	गुरु	
22/12/2012		03:52:26	कर्क	चंद्र	तुला	01:33:54	18/03/2018	
22/12/2029		03:28:12	कर्क	मंगल	कन्या	17:46:45	18/03/2034	
बुध	21/05/2015	08:23:39	तुला	बुध	कर्क	15:24:57	गुरु	05/05/2020
केतु	17/05/2016	21:03:39	तुला	गुरु व	मक	26:25:17	शनि	16/11/2022
शुक्र	18/03/2019	21:02:51	तुला	शुक्र	कर्क	23:48:06	बुध	21/02/2025
सूर्य	22/01/2020	13:13:19	कुंभ व	शनि	मीन	26:13:01	केतु	28/01/2026
चन्द्र	23/06/2021	21:44:53	तुला व	राहु व	सिंह	27:52:40	शुक्र	28/09/2028
मंगल	20/06/2022	21:44:53	मेष व	केतु व	कुंभ	27:52:40	सूर्य	17/07/2029
राहु	06/01/2025	28:36:11	धनु व	हर्ष व	मक	13:31:18	चन्द्र	16/11/2030
गुरु	14/04/2027	26:47:20	धनु व	नेप व	मक	04:57:42	मंगल	23/10/2031
शनि	22/12/2029	02:19:07	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	09:15:42	राहु	18/03/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:20

लग्न-चलित

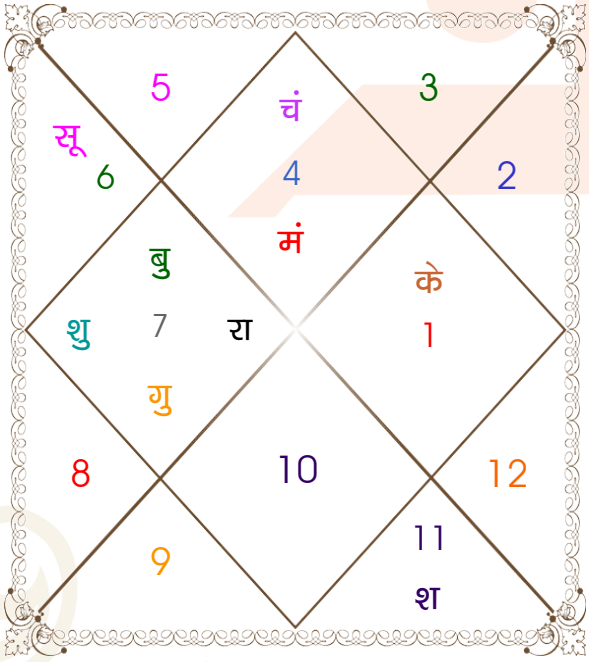

लग्न-चलित

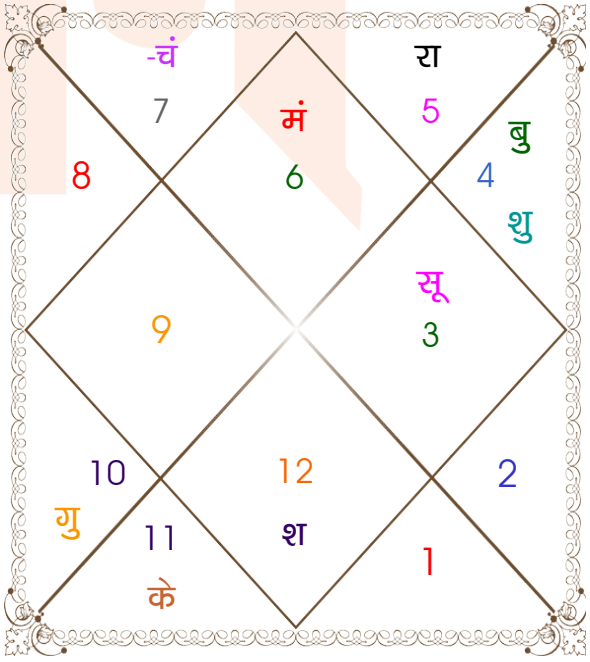

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

चलित अंश

भाव मध्य		भाव संधि		भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
कर्क	17:33:04	कर्क	01:42:25	1	कन्या	13:15:01	कन्या	27:57:27
सिंह	15:51:45	सिंह	01:42:25	2	तुला	13:15:01	तुला	28:32:35
कन्या	14:10:25	कन्या	00:01:05	3	वृश्चि	13:50:09	वृश्चि	29:07:43
तुला	12:29:06	कन्या	28:19:46	4	धनु	14:25:18	धनु	29:42:52
वृश्चि	14:10:25	तुला	28:19:46	5	मक	14:25:18	मक	29:07:43
धनु	15:51:45	धनु	00:01:05	6	कुंभ	13:50:09	कुंभ	28:32:35
मक	17:33:04	मक	01:42:25	7	मीन	13:15:01	मीन	27:57:27
कुंभ	15:51:45	कुंभ	01:42:25	8	मेष	13:15:01	मेष	28:32:35
मीन	14:10:25	मीन	00:01:05	9	वृष	13:50:09	वृष	29:07:43
मेष	12:29:06	मीन	28:19:46	10	मिथु	14:25:18	मिथु	29:42:52
वृष	14:10:25	मेष	28:19:46	11	कर्क	14:25:18	कर्क	29:07:43
मिथु	15:51:45	मिथु	00:01:05	12	सिंह	13:50:09	सिंह	28:32:35

तारा चक्र

उ०भाद्रपद	अनुराधा	पुष्य	**जन्म**	चित्रा	धनिष्ठा	मृगशिरा
रेवती	ज्येष्ठा	आश्लेषा	**सम्पत**	स्वाति	शतभिषा	आर्द्रा
अश्विनी	मूल	मघा	**विपत**	विशाखा	पू०भाद्रपद	पुनर्वसु
भरणी	पूर्वाषाढ़ा	पू०फाल्गुनी	**क्षेम**	अनुराधा	उ०भाद्रपद	पुष्य
कृतिका	उत्तराषाढ़ा	उ०फाल्गुनी	**प्रत्यारि**	ज्येष्ठा	रेवती	आश्लेषा
रोहिणी	श्रवण	हस्त	**साधक**	मूल	अश्विनी	मघा
मृगशिरा	धनिष्ठा	चित्रा	**वध**	पूर्वाषाढ़ा	भरणी	पू०फाल्गुनी
आर्द्रा	शतभिषा	स्वाति	**मित्र**	उत्तराषाढ़ा	कृतिका	उ०फाल्गुनी
पुनर्वसु	पू०भाद्रपद	विशाखा	**अतिमित्र**	श्रवण	रोहिणी	हस्त

चलित कुंडली

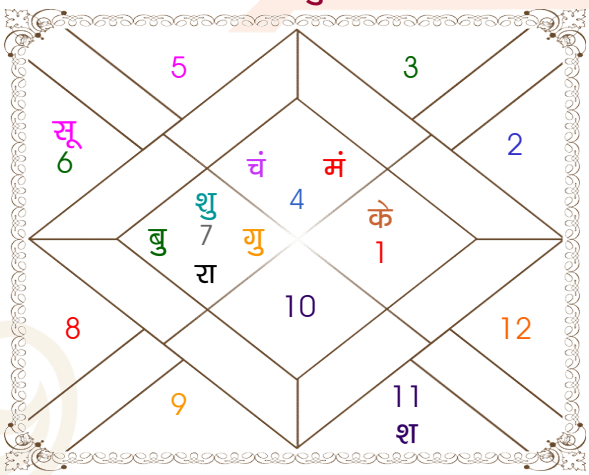

चलित कुंडली

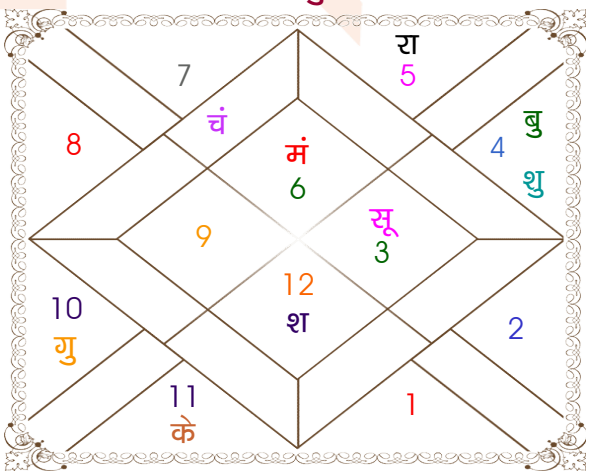

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

चन्द्र कुंडली

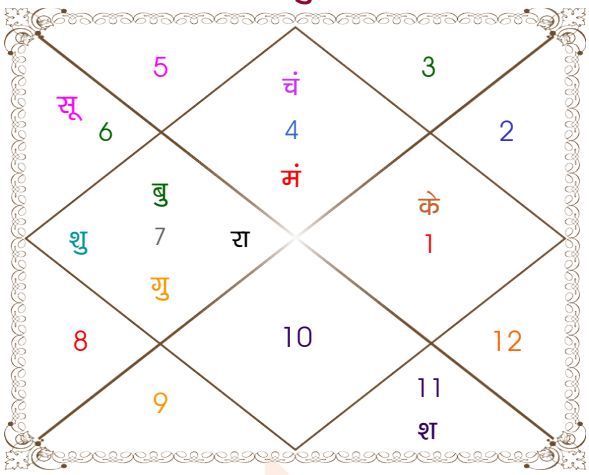

चन्द्र कुंडली

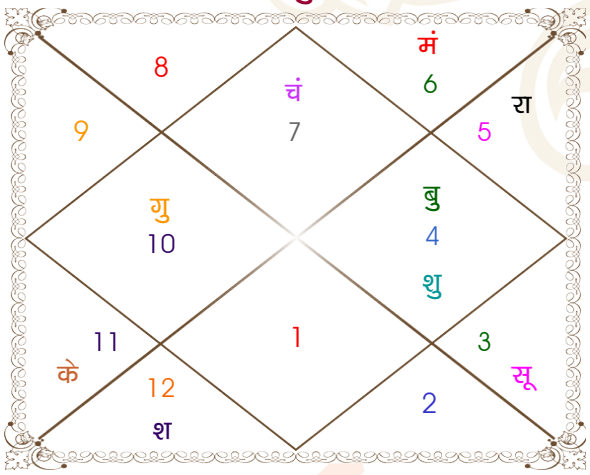

सूर्य कुंडली

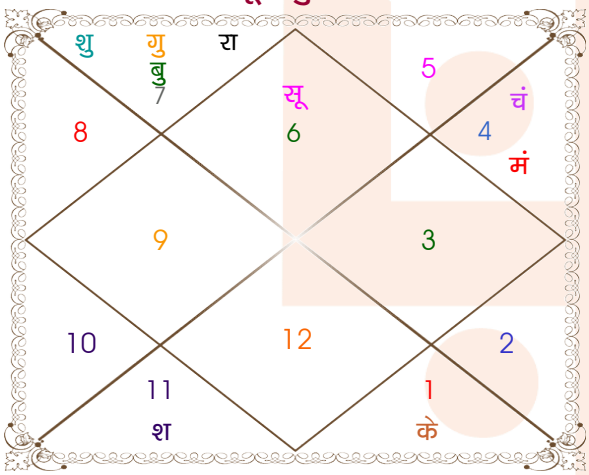

सूर्य कुंडली

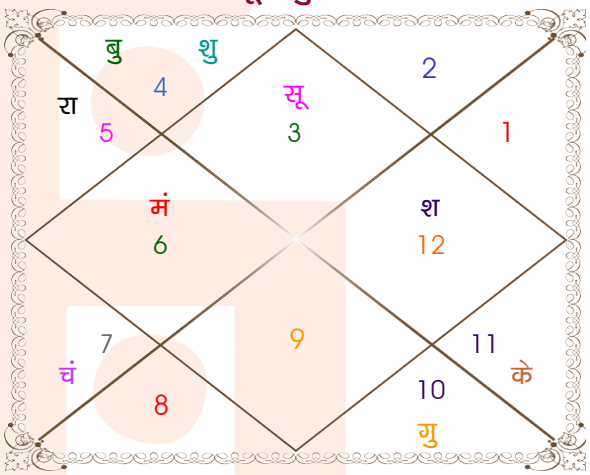

नवमांश कुंडली

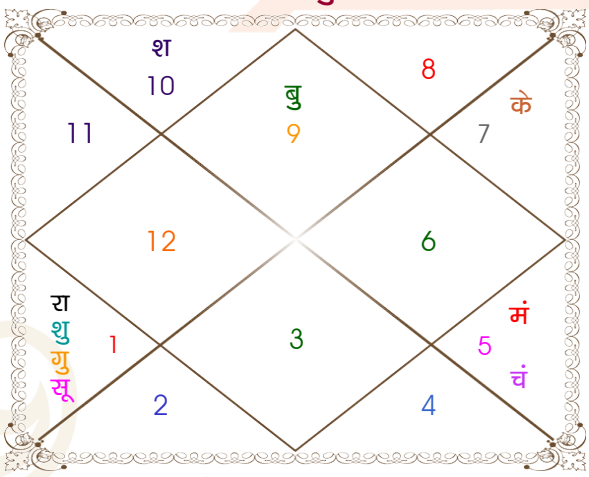

नवमांश कुंडली

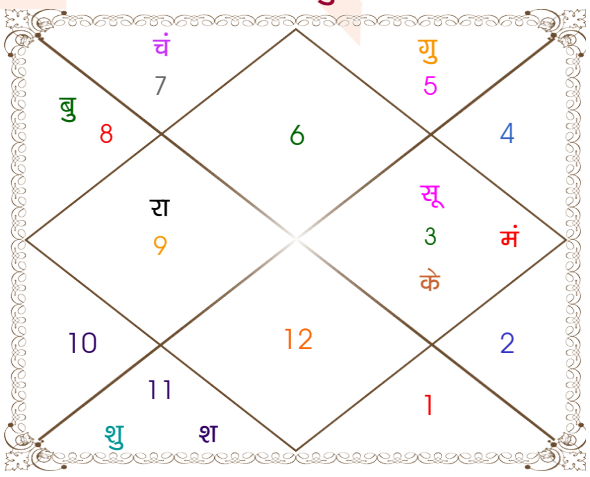

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

लग्न कुंडली

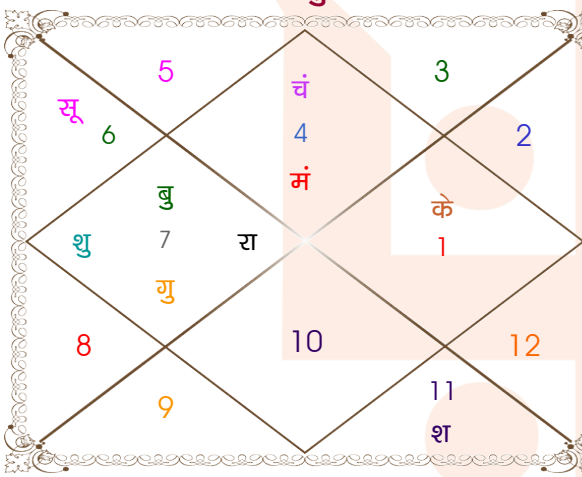

देह विचारः

लग्न कुंडली

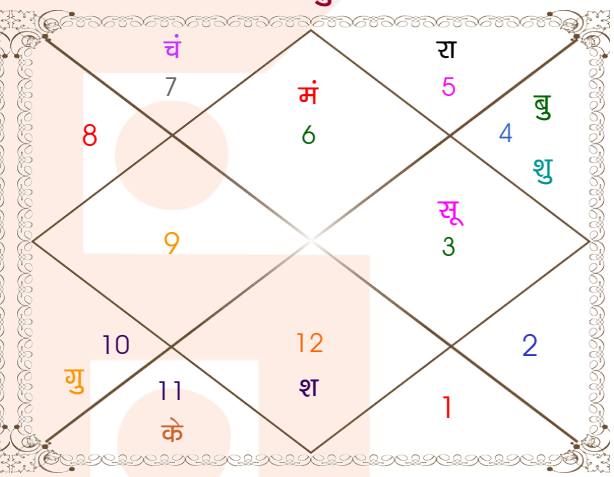

देह विचारः

होरा कुंडली

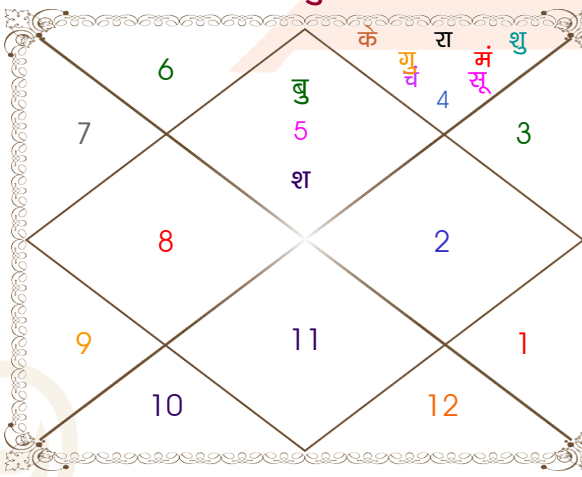

सम्पदाविचारः

होरा कुंडली

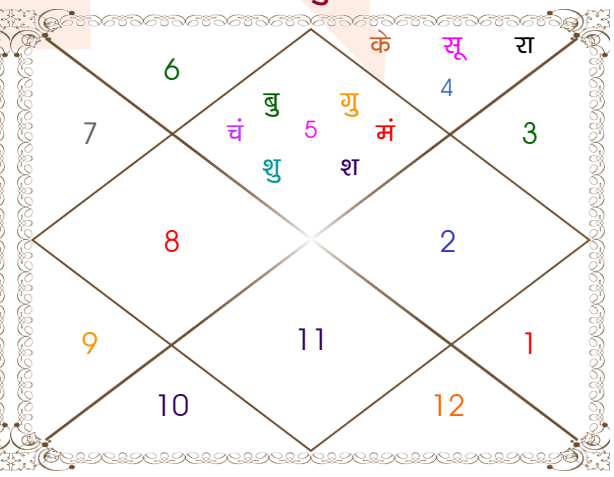

सम्पदाविचारः

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

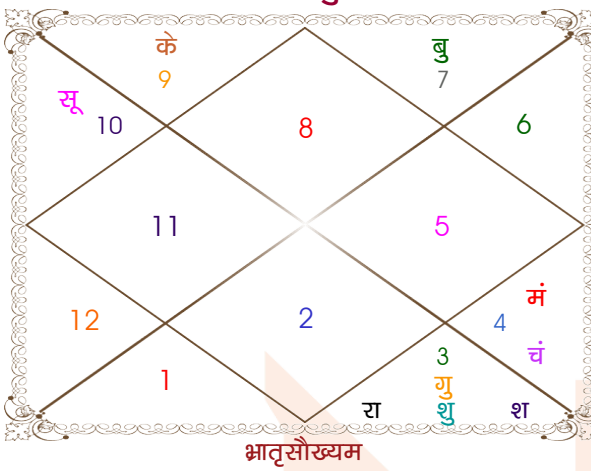

भ्रातृसौख्यम

द्रेष्काण कुंडली

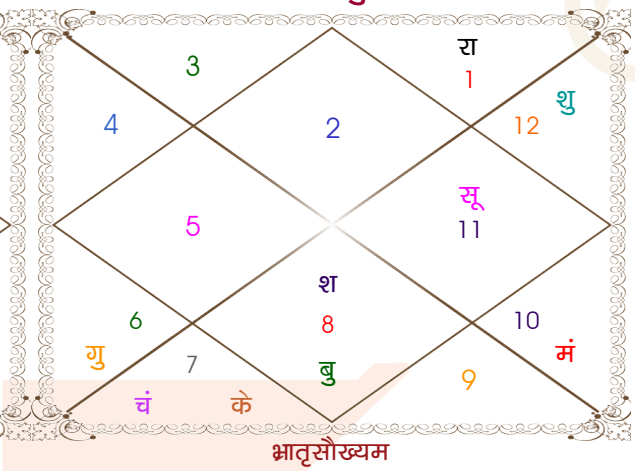

भ्रातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

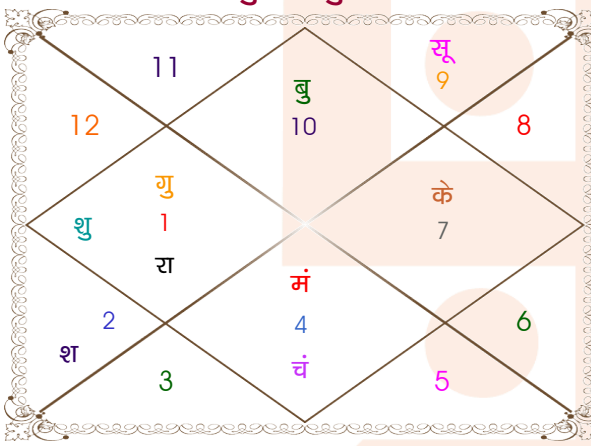

भाग्यविचारः

चतुर्थांश कुंडली

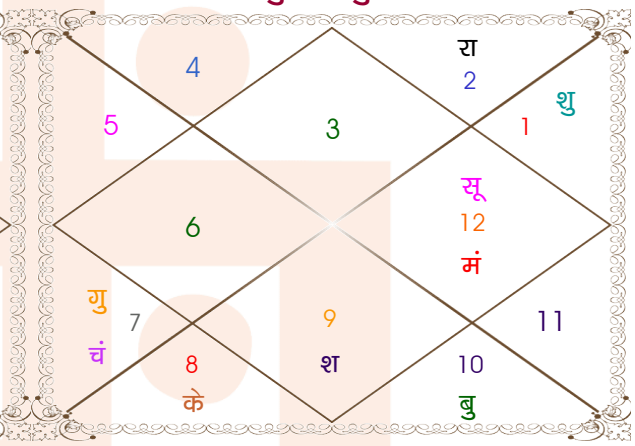

भाग्यविचारः

सप्तमांश कुंडली

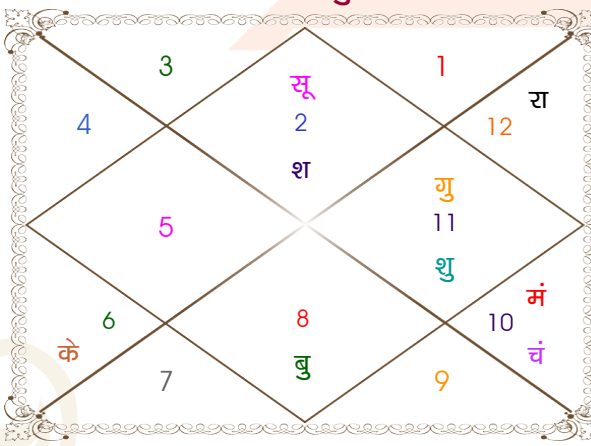

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

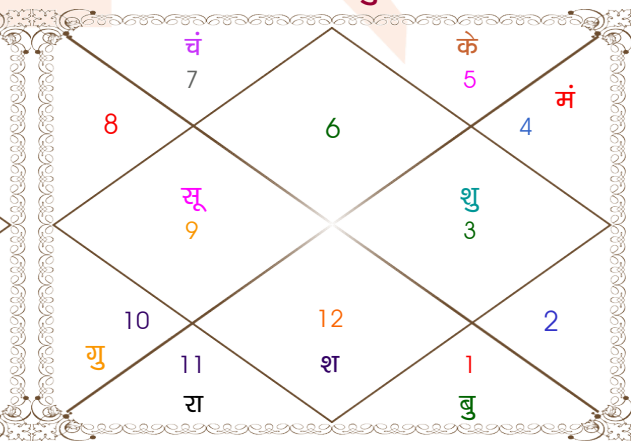

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

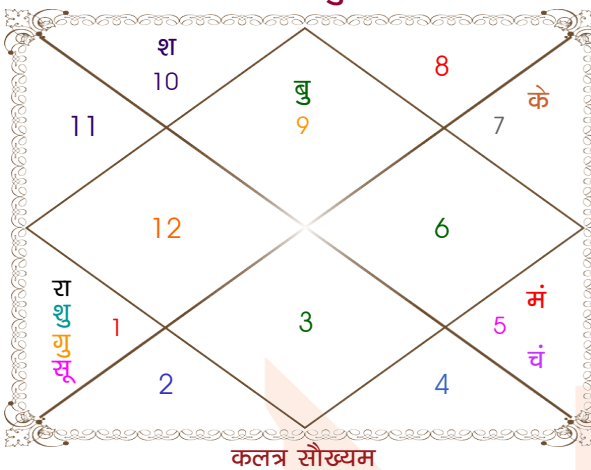

कलत्र सौख्यम

नवमांश कुंडली

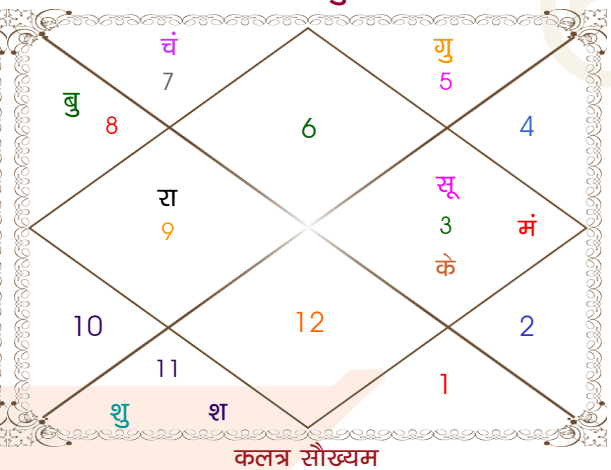

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

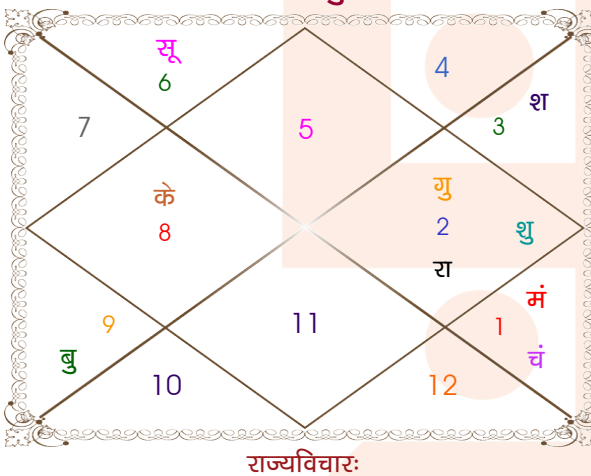

राज्यविचारः

दशमांश कुंडली

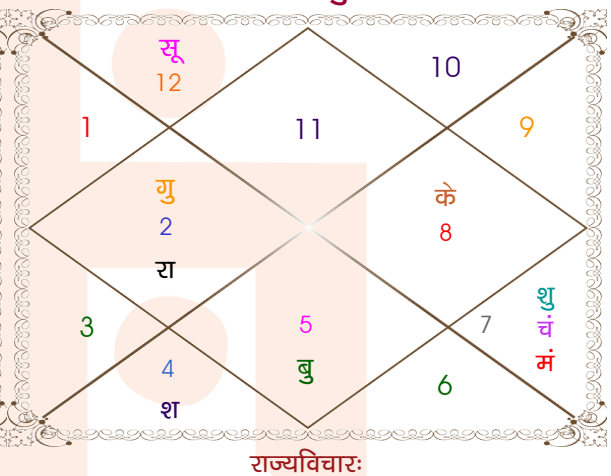

राज्यविचारः

द्वादशांश कुंडली

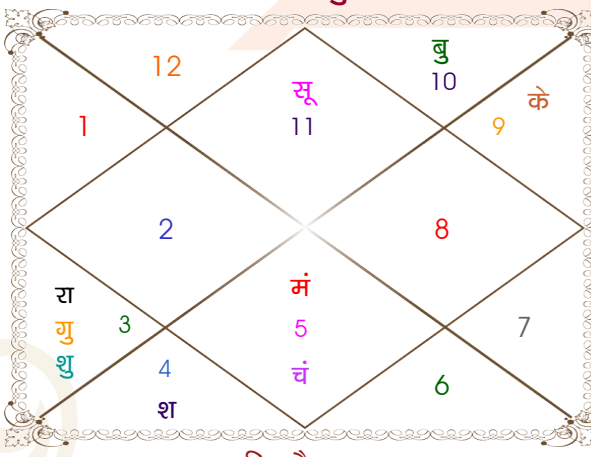

पितृसौख्यम

द्वादशांश कुंडली

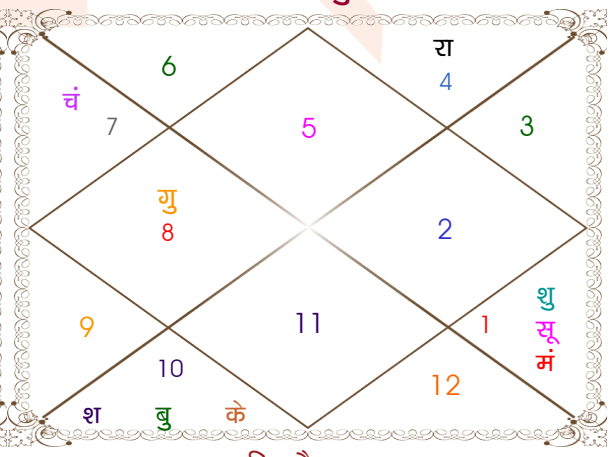

पितृसौख्यम

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

षोडशवर्ग चक्र

षोडशांश कुंडली

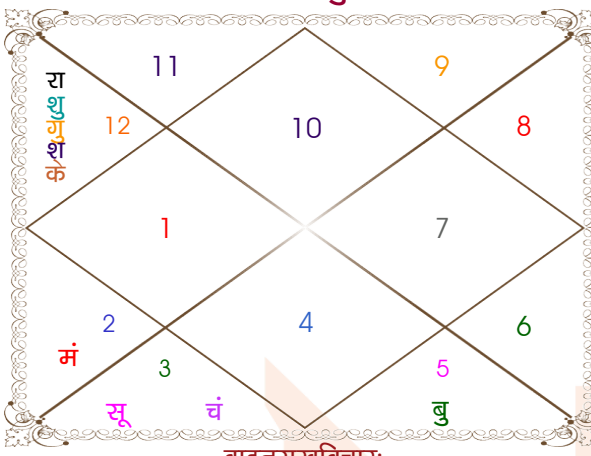

वाहनसुखविचारः

षोडशांश कुंडली

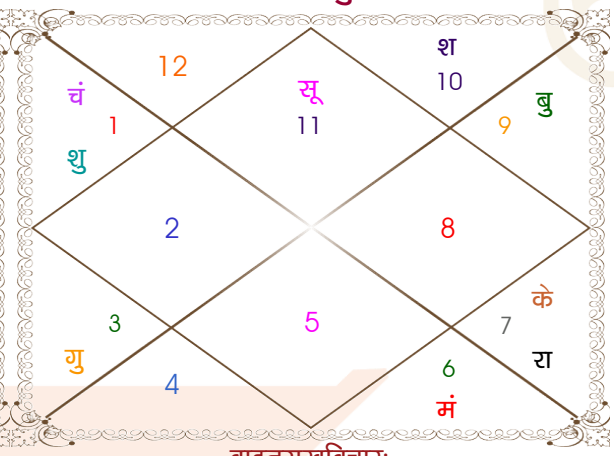

वाहनसुखविचारः

त्रिंशांश कुंडली

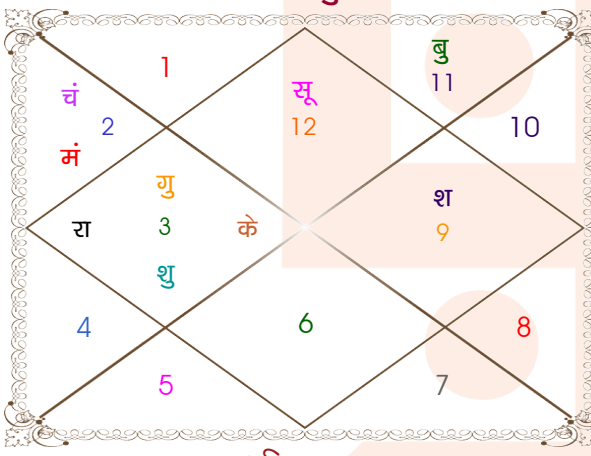

अरिष्टज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

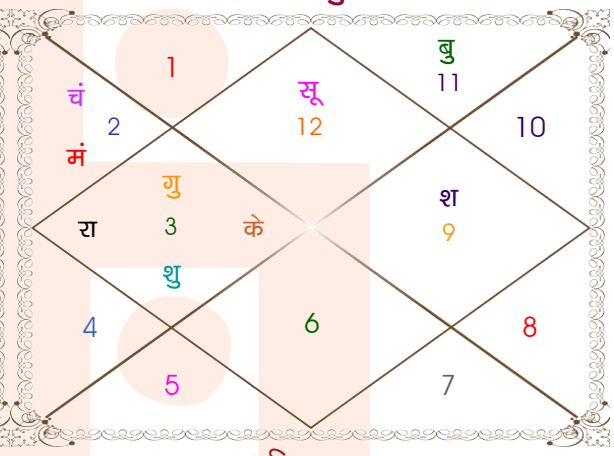

अरिष्टज्ञानम्

षष्ट्यंश कुंडली

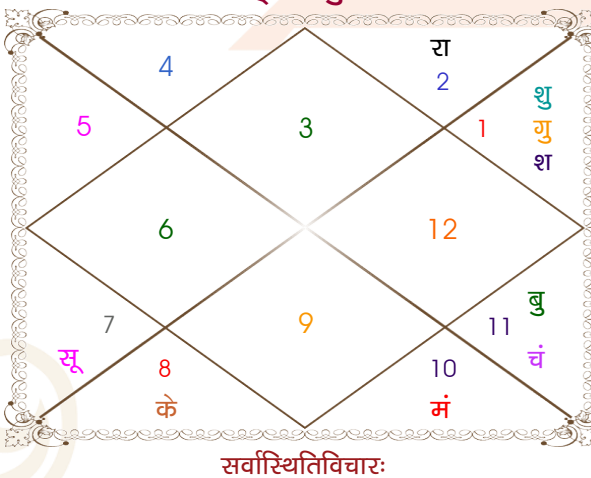

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

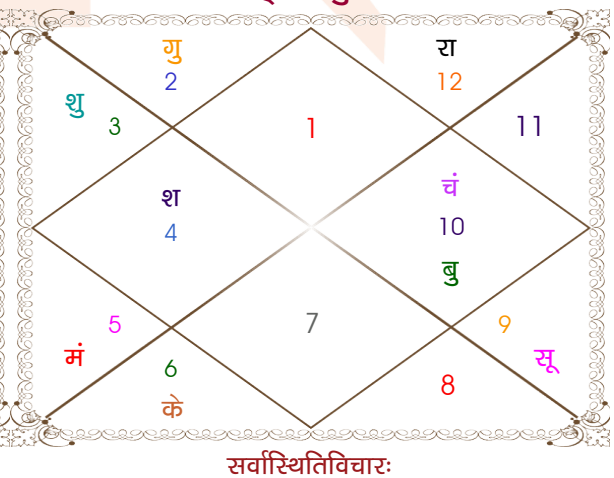

सर्वास्थितिविचारः

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कृष्णमूर्ति पद्धति

भोग्य दशा काल : शनि 18 वर्ष 0 मास 28 दिन

के.पी. अयनांश : 23:40:47

फॉरच्युना : वृष 08:51:16

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		कन्या	12:47:06	बुध	चंद्र	राहु	बुध
चंद्र		कर्क	03:58:52	चंद्र	शनि	शनि	केतु
मंगल		कर्क	03:34:38	चंद्र	शनि	शनि	शनि
बुध		तुला	08:30:05	शुक्र	राहु	राहु	चंद्र
गुरु		तुला	21:10:05	शुक्र	गुरु	गुरु	शुक्र
शुक्र		तुला	21:09:17	शुक्र	गुरु	गुरु	शुक्र
शनि	व	कुंभ	13:19:45	शनि	राहु	बुध	सूर्य
राहु	व	तुला	21:51:20	शुक्र	गुरु	शनि	शनि
केतु	व	मेष	21:51:20	मंगल	शुक्र	गुरु	राहु
हर्ष	व	धनु	28:42:37	गुरु	सूर्य	मंगल	शनि
नेप	व	धनु	26:53:46	गुरु	सूर्य	सूर्य	गुरु
प्लूटो		वृश्चि	02:25:33	मंगल	गुरु	राहु	बुध

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	कर्क	17:39:30	चंद्र	बुध	बुध	मंगल
2	सिंह	11:56:47	सूर्य	केतु	बुध	शुक्र
3	कन्या	10:18:36	बुध	चंद्र	चंद्र	राहु
4	तुला	12:35:32	शुक्र	राहु	बुध	बुध
5	वृश्चि	16:09:19	मंगल	शनि	गुरु	चंद्र
6	धनु	18:08:36	गुरु	शुक्र	राहु	राहु
7	मक	17:39:30	शनि	चंद्र	शनि	गुरु
8	कुंभ	11:56:47	शनि	राहु	शनि	मंगल
9	मीन	10:18:36	गुरु	शनि	शुक्र	केतु
10	मेष	12:35:32	मंगल	केतु	बुध	राहु
11	वृष	16:09:19	शुक्र	चंद्र	शनि	बुध
12	मिथु	18:08:36	बुध	राहु	चंद्र	चंद्र

भाव कुंडली

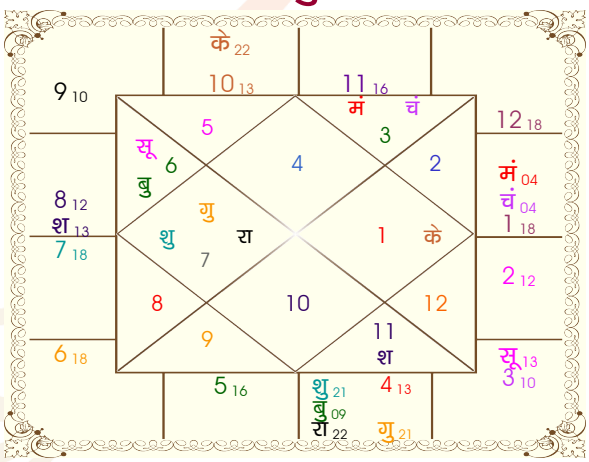

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 7 मास 14 दिन

के.पी. अयनांश : 23:43:07

फॉरच्युना : मकर 02:30:33

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मिथु	27:13:13	बुध	गुरु	शुक्र	चंद्र
चंद्र		तुला	01:40:07	शुक्र	मंगल	बुध	शनि
मंगल		कन्या	17:52:58	बुध	चंद्र	बुध	बुध
बुध		कर्क	15:31:10	चंद्र	शनि	गुरु	बुध
गुरु	व	मक	26:31:30	शनि	मंगल	गुरु	शनि
शुक्र		कर्क	23:54:19	चंद्र	बुध	मंगल	शुक्र
शनि		मीन	26:19:14	गुरु	बुध	गुरु	गुरु
राहु	व	सिंह	27:58:53	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शनि
केतु	व	कुंभ	27:58:53	शनि	गुरु	शुक्र	गुरु
हर्ष	व	मक	13:37:31	शनि	चंद्र	राहु	चंद्र
नेप	व	मक	05:03:55	शनि	सूर्य	शनि	गुरु
प्लूटो	व	वृश्चि	09:21:55	मंगल	शनि	शुक्र	गुरु

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	कन्या	28:03:39	बुध	मंगल	शनि	शनि
2	तुला	26:31:36	शुक्र	गुरु	केतु	बुध
3	वृश्चि	27:23:06	मंगल	बुध	गुरु	चंद्र
4	धनु	29:49:05	गुरु	सूर्य	राहु	शनि
5	कुंभ	02:07:23	शनि	मंगल	केतु	चंद्र
6	मीन	02:01:18	गुरु	गुरु	राहु	शनि
7	मीन	28:03:39	गुरु	बुध	शनि	शनि
8	मेष	26:31:36	मंगल	शुक्र	केतु	शनि
9	वृष	27:23:06	शुक्र	मंगल	गुरु	चंद्र
10	मिथु	29:49:05	बुध	गुरु	चंद्र	गुरु
11	सिंह	02:07:23	सूर्य	केतु	शुक्र	गुरु
12	कन्या	02:01:18	बुध	सूर्य	गुरु	केतु

भाव कुंडली

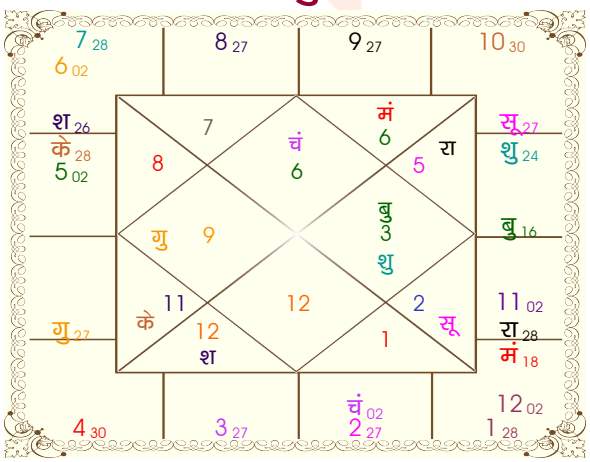

SURESH MAHARAJ

ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .

+91 9860000004

suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	सूर्य- चंद्र-
2	सूर्य-
3	सूर्य, बुध,
4	बुध, गुरु+ शुक्र+ शनि, राहु+ केतु+
5	मंगल-
6	गुरु, शुक्र- राहु-
7	चंद्र- मंगल- शनि-
8	चंद्र+ मंगल+ शनि,
9	गुरु, शुक्र- राहु-
10	मंगल- केतु,
11	शुक्र- केतु-
12	सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध-

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	चंद्र, मंगल, बुध- शुक्र- शनि-
2	शुक्र-
3	चंद्र- मंगल- गुरु-
4	सूर्य+ गुरु, केतु+
5	बुध- शनि- केतु,
6	सूर्य- बुध, गुरु- शनि, केतु-
7	सूर्य- गुरु- केतु-
8	चंद्र- मंगल- गुरु-
9	सूर्य, शुक्र- राहु,
10	बुध, शुक्र+ शनि+
11	सूर्य- राहु+
12	चंद्र, मंगल, बुध- गुरु, शुक्र- शनि-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	1- 2- 3, 12,
चंद्र	1- 7- 8+ 12,
मंगल	5- 7- 8+ 10- 12,
बुध	3, 4, 12-
गुरु	4+ 6, 9,
शुक्र	4+ 6- 9- 11-
शनि	4, 7- 8,
राहु	4+ 6- 9-
केतु	4+ 10, 11-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	4+ 6- 7- 9, 11-
चंद्र	1, 3- 8- 12,
मंगल	1, 3- 8- 12,
बुध	1- 5- 6, 10, 12-
गुरु	3- 4, 6- 7- 8- 12,
शुक्र	1- 2- 9- 10+ 12-
शनि	1- 5- 6, 10+ 12-
राहु	9, 11+
केतु	4+ 5, 6- 7-

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	बुध
लग्न राशि स्वामी	चन्द्र
राशि नक्षत्र स्वामी	शनि
राशि स्वामी	चन्द्र
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	बुध
राशि अन्तर स्वामी	शनि

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	मंगल
लग्न राशि स्वामी	बुध
राशि नक्षत्र स्वामी	मंगल
राशि स्वामी	शुक्र
वार स्वामी	सूर्य
लग्न अन्तर स्वामी	शनि
राशि अन्तर स्वामी	बुध

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

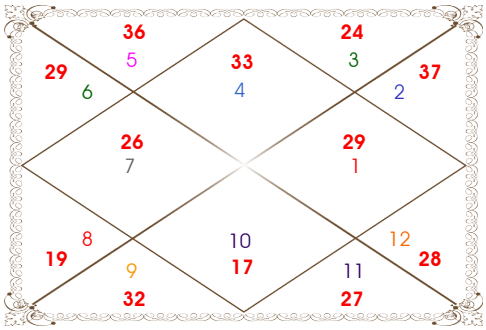

सर्वाष्टकवर्ग

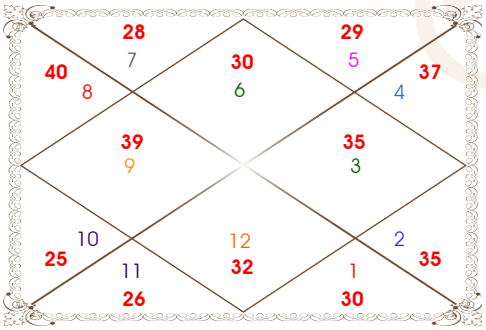

MADHAV SONIA

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	4	4	4	4	3	7	2	1	5	0	1	4	39
गुरु	5	5	4	7	6	1	5	6	3	6	3	5	56
मंगल	2	5	1	4	5	5	2	2	4	2	4	3	39
सूर्य	5	5	4	3	4	6	4	1	5	1	4	6	48
शुक्र	2	6	6	5	6	4	5	4	4	1	5	4	52
बुध	3	7	2	4	8	3	6	2	5	3	7	4	54
चंद्र	8	5	3	6	4	3	2	3	6	4	3	2	49
बिन्दु	29	37	24	33	36	29	26	19	32	17	27	28	337
रेखा	27	19	32	23	20	27	30	37	24	39	29	28	335

Ms.

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
लग्न	3	5	4	6	5	4	3	5	3	2	5	4	49
सूर्य	4	3	7	4	2	5	2	4	7	3	2	5	48
चंद्र	5	4	2	6	4	2	5	6	3	6	3	3	49
मंगल	2	2	5	2	2	4	4	5	6	1	2	4	39
बुध	5	5	5	5	3	5	5	6	5	2	3	5	54
गुरु	6	4	4	6	6	3	4	4	5	3	5	6	56
शुक्र	3	8	2	4	4	5	5	7	4	5	3	2	52
शनि	2	4	6	4	3	2	0	3	6	3	3	3	39
बिन्दु	30	35	35	37	29	30	28	40	39	25	26	32	386
रेखा	34	29	29	27	35	34	36	24	25	39	38	32	382

शोध्य पिंड - MADHAV SONIA

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	137	102	134	141	120	127	121
ग्रह पिंड	51	57	78	139	70	28	96
शोध्य पिंड	188	159	212	280	190	155	217

शोध्य पिंड - Ms.

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	106	85	93	119	98	70	99	134
ग्रह पिंड	45	46	91	59	44	34	39	52
शोध्य पिंड	151	131	184	178	142	104	138	186

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा

शनि 18 वर्ष 2 मास 23 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/09/1994		22/12/2012		22/12/2029	
22/12/2012		22/12/2029		22/12/2036	
शनि	25/12/1996	बुध	21/05/2015	केतु	20/05/2030
बुध	04/09/1999	केतु	17/05/2016	शुक्र	21/07/2031
केतु	13/10/2000	शुक्र	18/03/2019	सूर्य	25/11/2031
शुक्र	14/12/2003	सूर्य	22/01/2020	चंद्र	25/06/2032
सूर्य	25/11/2004	चंद्र	23/06/2021	मंगल	22/11/2032
चंद्र	26/06/2006	मंगल	20/06/2022	राहु	10/12/2033
मंगल	05/08/2007	राहु	06/01/2025	गुरु	16/11/2034
राहु	11/06/2010	गुरु	14/04/2027	शनि	26/12/2035
गुरु	22/12/2012	शनि	22/12/2029	बुध	22/12/2036

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/12/2036		22/12/2056		23/12/2062	
22/12/2056		23/12/2062		22/12/2072	
शुक्र	23/04/2040	सूर्य	11/04/2057	चंद्र	23/10/2063
सूर्य	23/04/2041	चंद्र	10/10/2057	मंगल	23/05/2064
चंद्र	23/12/2042	मंगल	15/02/2058	राहु	22/11/2065
मंगल	22/02/2044	राहु	10/01/2059	गुरु	24/03/2067
राहु	21/02/2047	गुरु	29/10/2059	शनि	22/10/2068
गुरु	22/10/2049	शनि	10/10/2060	बुध	24/03/2070
शनि	22/12/2052	बुध	16/08/2061	केतु	23/10/2070
बुध	23/10/2055	केतु	22/12/2061	शुक्र	22/06/2072
केतु	22/12/2056	शुक्र	23/12/2062	सूर्य	22/12/2072

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
22/12/2072		23/12/2079		22/12/2097	
23/12/2079		22/12/2097		23/12/2113	
मंगल	20/05/2073	राहु	04/09/2082	गुरु	09/02/2100
राहु	08/06/2074	गुरु	28/01/2085	शनि	24/08/2102
गुरु	15/05/2075	शनि	05/12/2087	बुध	29/11/2104
शनि	22/06/2076	बुध	23/06/2090	केतु	05/11/2105
बुध	20/06/2077	केतु	11/07/2091	शुक्र	06/07/2108
केतु	16/11/2077	शुक्र	11/07/2094	सूर्य	24/04/2109
शुक्र	16/01/2079	सूर्य	05/06/2095	चंद्र	24/08/2110
सूर्य	24/05/2079	चंद्र	04/12/2096	मंगल	31/07/2111
चंद्र	23/12/2079	मंगल	22/12/2097	राहु	23/12/2113

मंगल 2 वर्ष 8 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/07/1997		17/03/2000		18/03/2018	
17/03/2000		18/03/2018		18/03/2034	
	00/00/0000	राहु	28/11/2002	गुरु	05/05/2020
	00/00/0000	गुरु	23/04/2005	शनि	16/11/2022
	00/00/0000	शनि	28/02/2008	बुध	21/02/2025
	13/07/1997	बुध	16/09/2010	केतु	28/01/2026
बुध	13/09/1997	केतु	05/10/2011	शुक्र	28/09/2028
केतु	09/02/1998	शुक्र	05/10/2014	सूर्य	17/07/2029
शुक्र	11/04/1999	सूर्य	29/08/2015	चंद्र	16/11/2030
सूर्य	17/08/1999	चंद्र	27/02/2017	मंगल	23/10/2031
चंद्र	17/03/2000	मंगल	18/03/2018	राहु	18/03/2034

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
18/03/2034		18/03/2053		18/03/2070	
18/03/2053		18/03/2070		18/03/2077	
शनि	21/03/2037	बुध	14/08/2055	केतु	14/08/2070
बुध	29/11/2039	केतु	10/08/2056	शुक्र	14/10/2071
केतु	07/01/2041	शुक्र	11/06/2059	सूर्य	19/02/2072
शुक्र	08/03/2044	सूर्य	17/04/2060	चंद्र	19/09/2072
सूर्य	18/02/2045	चंद्र	16/09/2061	मंगल	15/02/2073
चंद्र	19/09/2046	मंगल	13/09/2062	राहु	06/03/2074
मंगल	29/10/2047	राहु	02/04/2065	गुरु	10/02/2075
राहु	04/09/2050	गुरु	09/07/2067	शनि	20/03/2076
गुरु	18/03/2053	शनि	18/03/2070	बुध	18/03/2077

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
18/03/2077		18/03/2097		19/03/2103	
18/03/2097		19/03/2103		19/03/2113	
शुक्र	17/07/2080	सूर्य	05/07/2097	चंद्र	17/01/2104
सूर्य	17/07/2081	चंद्र	04/01/2098	मंगल	18/08/2104
चंद्र	18/03/2083	मंगल	12/05/2098	राहु	16/02/2106
मंगल	17/05/2084	राहु	05/04/2099	गुरु	18/06/2107
राहु	18/05/2087	गुरु	23/01/2100	शनि	17/01/2109
गुरु	16/01/2090	शनि	05/01/2101	बुध	18/06/2110
शनि	18/03/2093	बुध	11/11/2101	केतु	17/01/2111
बुध	16/01/2096	केतु	19/03/2102	शुक्र	17/09/2112
केतु	18/03/2097	शुक्र	19/03/2103	सूर्य	19/03/2113

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु	
06/01/2025		14/04/2027		22/12/2029	
14/04/2027		22/12/2029		20/05/2030	
गुरु	27/04/2025	शनि	17/09/2027	केतु	31/12/2029
शनि	05/09/2025	बुध	03/02/2028	शुक्र	25/01/2030
बुध	31/12/2025	केतु	31/03/2028	सूर्य	01/02/2030
केतु	17/02/2026	शुक्र	11/09/2028	चंद्र	14/02/2030
शुक्र	05/07/2026	सूर्य	30/10/2028	मंगल	22/02/2030
सूर्य	16/08/2026	चंद्र	20/01/2029	राहु	17/03/2030
चंद्र	24/10/2026	मंगल	19/03/2029	गुरु	06/04/2030
मंगल	11/12/2026	राहु	13/08/2029	शनि	29/04/2030
राहु	14/04/2027	गुरु	22/12/2029	बुध	20/05/2030

गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
21/02/2025		28/01/2026		28/09/2028	
28/01/2026		28/09/2028		17/07/2029	
केतु	13/03/2025	शुक्र	09/07/2026	सूर्य	13/10/2028
शुक्र	09/05/2025	सूर्य	27/08/2026	चंद्र	06/11/2028
सूर्य	26/05/2025	चंद्र	16/11/2026	मंगल	23/11/2028
चंद्र	23/06/2025	मंगल	12/01/2027	राहु	06/01/2029
मंगल	13/07/2025	राहु	07/06/2027	गुरु	14/02/2029
राहु	02/09/2025	गुरु	15/10/2027	शनि	01/04/2029
गुरु	18/10/2025	शनि	17/03/2028	बुध	13/05/2029
शनि	11/12/2025	बुध	02/08/2028	केतु	30/05/2029
बुध	28/01/2026	केतु	28/09/2028	शुक्र	17/07/2029

केतु - शुक्र		केतु - सूर्य		केतु - चंद्र	
20/05/2030		21/07/2031		25/11/2031	
21/07/2031		25/11/2031		25/06/2032	
शुक्र	30/07/2030	सूर्य	27/07/2031	चंद्र	13/12/2031
सूर्य	21/08/2030	चंद्र	07/08/2031	मंगल	26/12/2031
चंद्र	25/09/2030	मंगल	14/08/2031	राहु	27/01/2032
मंगल	20/10/2030	राहु	02/09/2031	गुरु	24/02/2032
राहु	23/12/2030	गुरु	19/09/2031	शनि	29/03/2032
गुरु	18/02/2031	शनि	10/10/2031	बुध	28/04/2032
शनि	26/04/2031	बुध	28/10/2031	केतु	10/05/2032
बुध	26/06/2031	केतु	04/11/2031	शुक्र	15/06/2032
केतु	21/07/2031	शुक्र	25/11/2031	सूर्य	25/06/2032

गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु	
17/07/2029		16/11/2030		23/10/2031	
16/11/2030		23/10/2031		18/03/2034	
चंद्र	27/08/2029	मंगल	06/12/2030	राहु	03/03/2032
मंगल	24/09/2029	राहु	26/01/2031	गुरु	28/06/2032
राहु	06/12/2029	गुरु	13/03/2031	शनि	13/11/2032
गुरु	09/02/2030	शनि	06/05/2031	बुध	18/03/2033
शनि	27/04/2030	बुध	23/06/2031	केतु	08/05/2033
बुध	05/07/2030	केतु	13/07/2031	शुक्र	01/10/2033
केतु	03/08/2030	शुक्र	08/09/2031	सूर्य	14/11/2033
शुक्र	23/10/2030	सूर्य	25/09/2031	चंद्र	26/01/2034
सूर्य	16/11/2030	चंद्र	23/10/2031	मंगल	18/03/2034

केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु	
25/06/2032		22/11/2032		10/12/2033	
22/11/2032		10/12/2033		16/11/2034	
मंगल	04/07/2032	राहु	18/01/2033	गुरु	25/01/2034
राहु	27/07/2032	गुरु	10/03/2033	शनि	20/03/2034
गुरु	15/08/2032	शनि	10/05/2033	बुध	07/05/2034
शनि	08/09/2032	बुध	03/07/2033	केतु	27/05/2034
बुध	29/09/2032	केतु	26/07/2033	शुक्र	23/07/2034
केतु	08/10/2032	शुक्र	28/09/2033	सूर्य	09/08/2034
शुक्र	02/11/2032	सूर्य	17/10/2033	चंद्र	06/09/2034
सूर्य	09/11/2032	चंद्र	18/11/2033	मंगल	26/09/2034
चंद्र	22/11/2032	मंगल	10/12/2033	राहु	16/11/2034

शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु	
18/03/2034		21/03/2037		29/11/2039	
21/03/2037		29/11/2039		07/01/2041	
शनि	08/09/2034	बुध	07/08/2037	केतु	22/12/2039
बुध	10/02/2035	केतु	03/10/2037	शुक्र	28/02/2040
केतु	16/04/2035	शुक्र	16/03/2038	सूर्य	19/03/2040
शुक्र	16/10/2035	सूर्य	04/05/2038	चंद्र	22/04/2040
सूर्य	10/12/2035	चंद्र	25/07/2038	मंगल	15/05/2040
चंद्र	10/03/2036	मंगल	21/09/2038	राहु	15/07/2040
मंगल	13/05/2036	राहु	15/02/2039	गुरु	07/09/2040
राहु	25/10/2036	गुरु	26/06/2039	शनि	10/11/2040
गुरु	21/03/2037	शनि	29/11/2039	बुध	07/01/2041

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - शनि		केतु - बुध		शुक्र - शुक्र	
16/11/2034		26/12/2035		22/12/2036	
26/12/2035		22/12/2036		23/04/2040	
शनि	19/01/2035	बुध	15/02/2036	शुक्र	13/07/2037
बुध	17/03/2035	केतु	07/03/2036	सूर्य	12/09/2037
केतु	10/04/2035	शुक्र	07/05/2036	चंद्र	22/12/2037
शुक्र	17/06/2035	सूर्य	25/05/2036	मंगल	03/03/2038
सूर्य	07/07/2035	चंद्र	24/06/2036	राहु	02/09/2038
चंद्र	10/08/2035	मंगल	15/07/2036	गुरु	11/02/2039
मंगल	02/09/2035	राहु	07/09/2036	शनि	23/08/2039
राहु	02/11/2035	गुरु	26/10/2036	बुध	12/02/2040
गुरु	26/12/2035	शनि	22/12/2036	केतु	23/04/2040

शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
07/01/2041		08/03/2044		18/02/2045	
08/03/2044		18/02/2045		19/09/2046	
शुक्र	18/07/2041	सूर्य	26/03/2044	चंद्र	07/04/2045
सूर्य	14/09/2041	चंद्र	23/04/2044	मंगल	11/05/2045
चंद्र	20/12/2041	मंगल	14/05/2044	राहु	06/08/2045
मंगल	25/02/2042	राहु	05/07/2044	गुरु	22/10/2045
राहु	18/08/2042	गुरु	20/08/2044	शनि	22/01/2046
गुरु	19/01/2043	शनि	14/10/2044	बुध	13/04/2046
शनि	21/07/2043	बुध	02/12/2044	केतु	17/05/2046
बुध	01/01/2044	केतु	22/12/2044	शुक्र	22/08/2046
केतु	08/03/2044	शुक्र	18/02/2045	सूर्य	19/09/2046

शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
23/04/2040		23/04/2041		23/12/2042	
23/04/2041		23/12/2042		22/02/2044	
सूर्य	11/05/2040	चंद्र	13/06/2041	मंगल	16/01/2043
चंद्र	10/06/2040	मंगल	18/07/2041	राहु	21/03/2043
मंगल	02/07/2040	राहु	17/10/2041	गुरु	17/05/2043
राहु	25/08/2040	गुरु	07/01/2042	शनि	24/07/2043
गुरु	13/10/2040	शनि	13/04/2042	बुध	22/09/2043
शनि	10/12/2040	बुध	08/07/2042	केतु	17/10/2043
बुध	31/01/2041	केतु	13/08/2042	शुक्र	27/12/2043
केतु	21/02/2041	शुक्र	22/11/2042	सूर्य	17/01/2044
शुक्र	23/04/2041	सूर्य	23/12/2042	चंद्र	22/02/2044

शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु	
19/09/2046		29/10/2047		04/09/2050	
29/10/2047		04/09/2050		18/03/2053	
मंगल	13/10/2046	राहु	02/04/2048	गुरु	06/01/2051
राहु	13/12/2046	गुरु	19/08/2048	शनि	01/06/2051
गुरु	05/02/2047	शनि	31/01/2049	बुध	10/10/2051
शनि	10/04/2047	बुध	28/06/2049	केतु	03/12/2051
बुध	06/06/2047	केतु	27/08/2049	शुक्र	05/05/2052
केतु	30/06/2047	शुक्र	17/02/2050	सूर्य	21/06/2052
शुक्र	05/09/2047	सूर्य	10/04/2050	चंद्र	06/09/2052
सूर्य	26/09/2047	चंद्र	06/07/2050	मंगल	30/10/2052
चंद्र	29/10/2047	मंगल	04/09/2050	राहु	18/03/2053

शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि	
22/02/2044		21/02/2047		22/10/2049	
21/02/2047		22/10/2049		22/12/2052	
राहु	04/08/2044	गुरु	01/07/2047	शनि	24/04/2050
गुरु	28/12/2044	शनि	02/12/2047	बुध	04/10/2050
शनि	20/06/2045	बुध	18/04/2048	केतु	11/12/2050
बुध	22/11/2045	केतु	14/06/2048	शुक्र	22/06/2051
केतु	25/01/2046	शुक्र	24/11/2048	सूर्य	18/08/2051
शुक्र	26/07/2046	सूर्य	11/01/2049	चंद्र	23/11/2051
सूर्य	19/09/2046	चंद्र	02/04/2049	मंगल	29/01/2052
चंद्र	19/12/2046	मंगल	29/05/2049	राहु	21/07/2052
मंगल	21/02/2047	राहु	22/10/2049	गुरु	22/12/2052

बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र	
18/03/2053		14/08/2055		10/08/2056	
14/08/2055		10/08/2056		11/06/2059	
बुध	20/07/2053	केतु	04/09/2055	शुक्र	30/01/2057
केतु	09/09/2053	शुक्र	04/11/2055	सूर्य	23/03/2057
शुक्र	03/02/2054	सूर्य	22/11/2055	चंद्र	17/06/2057
सूर्य	19/03/2054	चंद्र	22/12/2055	मंगल	16/08/2057
चंद्र	31/05/2054	मंगल	12/01/2056	राहु	18/01/2058
मंगल	22/07/2054	राहु	06/03/2056	गुरु	05/06/2058
राहु	01/12/2054	गुरु	24/04/2056	शनि	16/11/2058
गुरु	28/03/2055	शनि	20/06/2056	बुध	12/04/2059
शनि	14/08/2055	बुध	10/08/2056	केतु	11/06/2059

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

3	मूलांक	4
8	भाग्यांक	1
3, 5, 7, 9, 8	मित्र अंक	1, 4, 6
1, 4,	शत्रु अंक	3, 7, 8
21,30,39,48,57	शुभ वर्ष	22,31,40,49,58
मंगल, सोम, गुरु	शुभ दिन	बुध, शुक्र
मंगल, चन्द्र, गुरु	शुभ ग्रह	बुध, शुक्र
मीन, मेष	मित्र राशि	मकर, मिथुन
तुला, मीन, वृष	मित्र लग्न	धनु, वृष, कर्क
शिव	अनुकूल देवता	लक्ष्मी
मोती	शुभ रत्न	पन्ना
चन्द्रमणि	शुभ उपरत्न	संगपन्ना, मरगज
पुखराज	भाग्य रत्न	हीरा
रजत	शुभ धातु	कांसा
श्वेत	शुभ रंग	हरित
पश्चिमोत्तर	शुभ दिशा	उत्तर
संध्या	शुभ समय	सूर्योदय के बाद
शंख, कपूर, श्वेतचन्दन	दान पदार्थ	हाथी दाँत, कपूर, फल
चावल	दान अन्न	मूँग
दही	दान द्रव्य	घी

रत्न चयन

किसी भी कुंडली में दशानुसार ग्रह का उपाय एवं रत्न धारण करने से शुभत्व में वृद्धि होती है। वैज्ञानिक रूप से विशिष्ट ग्रह का मंत्रोच्चारण करने से उस ग्रह की रश्मियों की मानव शरीर के चारों ओर सुरक्षा श्रृंखला बन जाती है एवं रत्न रश्मियों को सोखकर मानव शरीर में प्रवाहित कर शुभत्व में वृद्धि करता है। अतः रत्न का बेदाग होना एवं शरीर से स्पर्श करना अत्यंत आवश्यक माना गया है।

सामान्यतया उपाय ग्रह दशा के फल की वृद्धि के लिए महादशा स्वामी का किया जाता है। उपाय में मंत्रोच्चारण, दान एवं व्रत ही प्रमुख हैं। रत्न निर्बल परंतु लग्नेश, भाग्येश या योगकारक ग्रहों का पहना जाता है। आपको कब कौन सा उपाय या रत्न धारण करना चाहिए नीचे तालिका में उसके कार्यसिद्धि क्षेत्र सहित दिया गया है। महादशाओं में रत्नों के तीन-तीन विकल्प दिए गए हैं। आपको कोई भी विकल्प उसकी कार्यसिद्धि क्षेत्र एवं क्षमता देखकर अपनी आवश्यकतानुसार पहन सकते हैं तथा अतिरिक्त उपाय भी अपनी क्षमतानुसार कर सकते हैं।

MADHAV SONIA

जीवन रत्नः	मोती	स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	पुखराज	सुख, शत्रु व रोग मुक्ति, भाग्योदय
कारक रत्नः	मूंगा	स्वास्थ्य, व्यावसायिक उन्नति, सन्तति सुख
शुभ उपरत्नः	लहसुनिया	व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य

Ms.

जीवन रत्नः	पन्ना	धनार्जन, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
भाग्य रत्नः	हीरा	धनार्जन, भाग्योदय, धन
कारक रत्नः	नीलम	दम्पति, सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति

रत्न	ग्रह	रत्ती	धातु	अंगुली	दिन	समय	नक्षत्र
माणिक्य	सूर्य	4	सोना	अना	रविवार	सुबह	कृतिका, उ०फाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा
मोती	चन्द्र	4	चांदी	कनि	सोमवार	सुबह	रोहिणी, हस्त, श्रवण
मूंगा	मंगल	6	चांदी	अना	मंगलवार	सुबह	मृगशिरा, चित्रा, धनिष्ठा
पन्ना	बुध	4	सोना	कनि	बुधवार	सुबह	आश्लेषा, ज्येष्ठा, रेवती
पुखराज	गुरु	4	सोना	तर्जन	गुरुवार	सुबह	पुनर्वसु, विशाखा, पू०भाद्रपद
हीरा	शुक्र	1	प्लेटि	कनि	शुक्रवार	सुबह	भरणी, पू०फाल्गुनी, पूर्वाषाढ़ा
नीलम	शनि	4	पंचधातु	मध्य	शनिवार	शाम	पुष्य, अनुराधा, उ०भाद्रपद
गोमेद	राहु	5	अष्टधातु	मध्य	शनिवार	रात्रि	आर्द्रा, स्वाति, शतभिषा
लहसुनिया	केतु	6	चांदी	अना	गुरुवार	रात्रि	अश्विनी, मघा, मूल

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पड़ता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पड़ता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	29/09/1994-10/08/1995
साढेसाती प्रथम ढैया	22/07/2002-05/09/2004
साढेसाती द्वितीय ढैया	05/09/2004-01/11/2006
साढेसाती तृतीय ढैया	01/11/2006-09/09/2009
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/11/2011-02/11/2014

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	21/07/2022-24/03/2025
साढेसाती प्रथम ढैया	25/05/2032-06/07/2034
साढेसाती द्वितीय ढैया	06/07/2034-20/08/2036
साढेसाती तृतीय ढैया	20/08/2036-29/06/2039
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/03/2041-02/12/2043

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	17/02/2052-09/09/2054
साढेसाती प्रथम ढैया	05/07/2061-15/02/2064
साढेसाती द्वितीय ढैया	15/02/2064-03/10/2065
साढेसाती तृतीय ढैया	03/10/2065-21/08/2068
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	25/10/2070-20/04/2073

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	दुर्घटना से बचाव
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	कम खर्च
साढेसाती द्वितीय ढैया	अशुभ	बुरा स्वास्थ्य
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	धन
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	सुख

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	05/06/2000-22/07/2002
साढेसाती प्रथम ढैया	09/09/2009-15/11/2011
साढेसाती द्वितीय ढैया	15/11/2011-02/11/2014
साढेसाती तृतीय ढैया	02/11/2014-19/01/2017
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	18/01/2020-21/07/2022

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	11/04/2030-25/05/2032
साढेसाती प्रथम ढैया	29/06/2039-06/03/2041
साढेसाती द्वितीय ढैया	06/03/2041-02/12/2043
साढेसाती तृतीय ढैया	02/12/2043-29/11/2046
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	20/07/2049-17/02/2052

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	22/05/2059-05/07/2061
साढेसाती प्रथम ढैया	21/08/2068-25/10/2070
साढेसाती द्वितीय ढैया	25/10/2070-20/04/2073
साढेसाती तृतीय ढैया	20/04/2073-04/08/2076
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	03/01/2079-18/08/2081

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	भाग्योदय
साढेसाती प्रथम ढैया	सम	स्वास्थ्य
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	धन
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	पराक्रम हानि
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	सन्तति सुख

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त

किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

MADHAV SONIA

आपकी जन्मकुण्डली में शंखपाल नामक कालसर्प योग विद्यमान है। लेकिन यह केवल आंशिक रूप में विद्यमान है। फलस्वरूप जातक का वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी दुःखमय हो जाता है। माता-पिता एवं पारिवारिक सदस्य से कभी-कभी जातक नुकसान प्राप्त करता है। विद्याध्ययन में थोड़ी बहुत बाधा आती है। नौकर चाकर सवारी आदि से भी जातक को कोई न कोई चिन्ता परेशानी घेरे रहती है।

इस योग के कारण जमीन-जायदाद, चल-अचल, घर-द्वार सम्बन्धी वस्तुओं पर कभी-कभी थोड़ा बहुत परेशानी आती रहती है। जातक अनेक कामों को एक साथ करता है। पर कोई भी काम प्रायः पूरा नहीं होता है।

इस योग के प्रभाव से जातक के शरीर में कभी कोई रोग व्याधि घेर लेती है। जिसमें सामान्य से थोड़ा विशेष खर्च हो जाने के कारण आर्थिक स्थिति असामान्य हो जाती है। अर्थात नाजुक हो जाती है और कालान्तर में पुनः आर्थिक स्थिति सामान्य हो जाती है।

इसके प्रभाव से जातक को बेवजह चिन्ता-परेशानी ग्रसित कर लेती है। कार्यारम्भ में अनेक प्रकार के व्यवधान उपस्थित हो जाते हैं। जो कालान्तर में वे व्यवधान स्वतः नष्ट हो जाते हैं। जातक कितना भी परिश्रम कर ले पर सुख प्राप्ति में बाधा व संघर्ष की स्थिति बनी रहती है। इस योग के प्रभाव से व्यवसाय के क्षेत्र में जातक को सफलता मिलती है और राजनीति एवं नौकरी में सफलता प्राप्त होती है और सामाजिक मान सम्मान भी प्राप्त होता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें। अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. ऊँ नमः शिवाय' का प्रतिदिन 108 बार जप करें। कुल जप संख्या- 21000।
3. ताम्बे के लोटे में नाग के जोड़े बहते पानी में एक बार प्रवाहित करें।
4. नवनाग स्तोत्र का एक वर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।
5. राहु के महादशा, अन्तर्दशा आने पर राहु मन्त्र के जाप कम से कम प्रतिदिन 108 बार करें। जप संख्या अट्ठारह हजार (18000) है।
6. शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित गोमेद धारण करें।
7. श्रावणमास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।

8. सरस्वती जी की एक वर्ष विधिवत उपासना करें।
9. राहु कवच एवं स्तोत्र का पाठ करें।
10. प्रत्येक सोमवार को दही से भगवान शंकर पर - ऊँ हर हर महादेव कहते हुए अभिषेक करें। यह केवल 16 सोमवार तक करें।
11. रसोईघर में बैठकर भोजन करें।
12. शुभ मुहूर्त्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।
13. गोमेद, सुवर्ण, तिल, सरसों, नीलवस्त्र, खड्ग, कम्बल, आदि समय-समय पर दान करें।
14. शुभ मुहूर्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वस्तिक एवं दोनो ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।
15. हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

Ms.

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : **13 / 36**

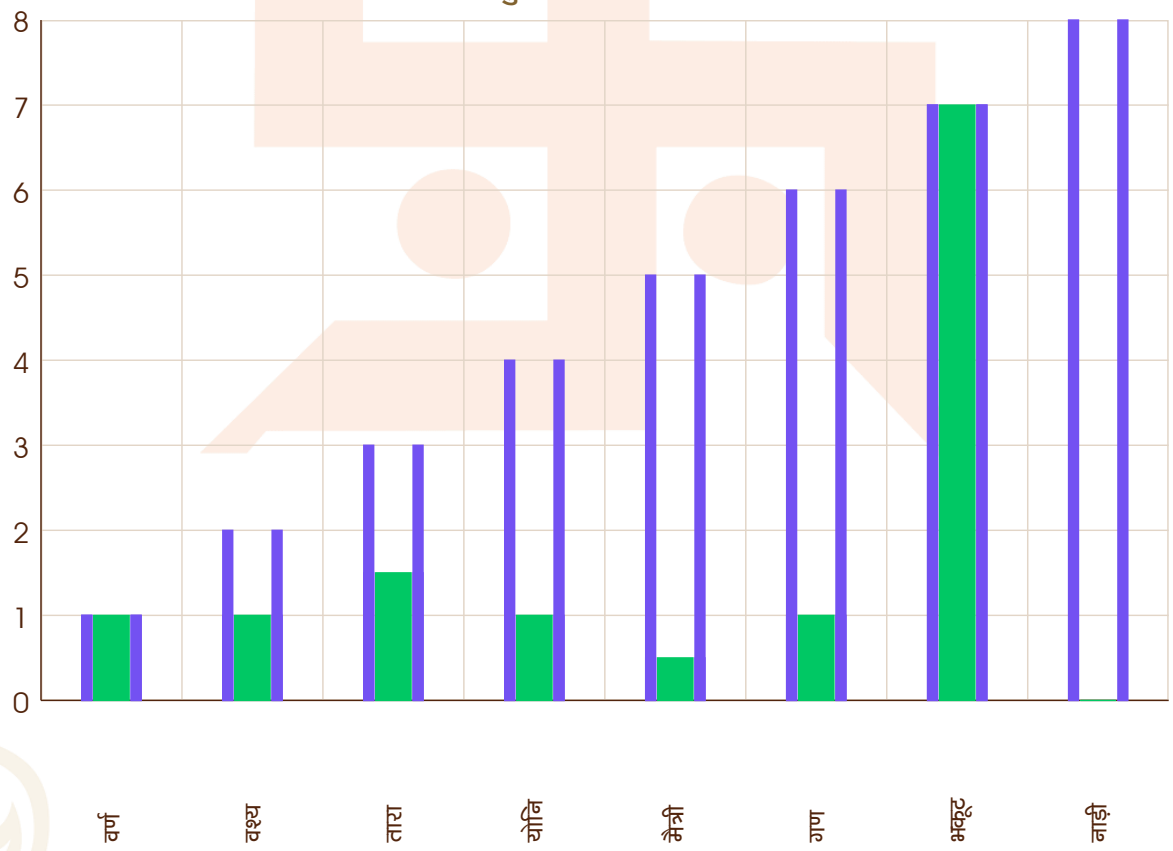

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि MADHAV SONIA का नक्षत्र पुष्य है।

MADHAV SONIA का वर्ग मेष है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार MADHAV SONIA और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

MADHAV SONIA मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल MADHAV SONIA कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र MADHAV SONIA कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

MADHAV SONIA तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

MADHAV SONIA का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ms. सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। Ms. एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

MADHAV SONIA का वश्य जलचर है एवं Ms. का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ms. अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि MADHAV SONIA उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

MADHAV SONIA की तारा क्षेम तथा Ms. की तारा वध है। Ms. की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह MADHAV SONIA एवं Ms. दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms. अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

MADHAV SONIA की योनि मेष है तथा Ms. की योनि व्याघ्र है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में MADHAV SONIA का राशि स्वामी Ms. के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms. का राशि स्वामी MADHAV SONIA के राशि स्वामी के साथ शत्रु का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए सम किंतु दूसरा उसे शत्रु मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

MADHAV SONIA का गण देव तथा Ms. का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Ms. निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Ms. की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

भकूट

MADHAV SONIA से Ms. की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Ms. से MADHAV SONIA की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण MADHAV SONIA परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Ms. घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

नाड़ी

MADHAV SONIA की नाड़ी मध्य है तथा Ms. की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में MADHAV SONIA एवं Ms. का विवाह अति

घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

MADHAV SONIA की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है तथा Ms. की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। जलतत्व एवं वायुतत्व में नैसर्गिक विषमता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण MADHAV SONIA और Ms. के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेगी जिससे मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

MADHAV SONIA और Ms. की जन्म राशियां परस्पर शत्रु एवं सम भाव में पड़ती है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं है। इसके प्रभाव से उनके मध्य मतभेद तथा वैमनस्य का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे वाद विवाद में बुद्धि होगी तथा परस्पर संबधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव का भाव उत्पन्न होगा। यदि सामंजस्य से कार्य किया जाय तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता हो सकती है।

MADHAV SONIA और Ms. की राशियां परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से MADHAV SONIA और Ms. एक दूसरे के प्रति सहयोग सम्मान एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। तथा मन में आकर्षण भी रहेगा। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में भी न्यूनता आएगी। Ms. की प्रवृति गृह कार्यो के प्रति अधिक रहेगी तथा घर एवं बच्चों के प्रति पूर्ण ध्यान रखेंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में मधुरता की वृद्धि होगी तथा सुख पूर्वक जीवन व्यतीत होगा।

MADHAV SONIA का वश्य जलचर एवं Ms. का वश्य मानव है। मानव तथा जलचर के मध्य नैसर्गिक भिन्नता होने के कारण MADHAV SONIA और Ms. की अभिरूचियों में अंतर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक विषमता भी बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त एक दुसरे की काम भावनाओं की शांति एवं सन्तुष्टि में भी असमर्थ से रहेंगे।

MADHAV SONIA का वर्ण ब्राह्मण तथा Ms. का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों की कार्य क्षमता में भी असमानता रहेगी। MADHAV SONIA शैक्षणिक क्षेत्र शास्त्रीय तथा धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे। Ms. की प्रवृति परिश्रम एवं ईमानदारी से किसी भी कार्य को करने के लिए तत्पर रहेंगी।

धन

MADHAV SONIA और Ms. दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

MADHAV SONIA और Ms. एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे उदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा उदासीनता के भाव से MADHAV SONIA और Ms. असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि उपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के उपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से MADHAV SONIA और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त MADHAV SONIA और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से MADHAV SONIA और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार MADHAV SONIA और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms. अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms. पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms. अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

MADHAV SONIA के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को MADHAV SONIA अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी MADHAV SONIA के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण MADHAV SONIA के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

अंक ज्योतिष फल

MADHAV SONIA

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड़ ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर व्यक्ति के रूप में चर्चित रहेंगे। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगे। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रूझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्यन के क्षेत्र में सफल रहेंगे। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगे। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगे। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र, समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगे तथा इसकी छाया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगे एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगे। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय के वाणी से मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाले धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य व्यक्ति के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

Ms.

आपका जन्म दिनांक 13 है। एक एवं तीन का योग 4 होने से आपका मूलांक चार होता है। अंक एक का स्वामी सूर्य, तीन का स्वामी गुरु तथा मूलांक 4 का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मतानुसार हर्षल होता है। इन तीनों ग्रहों के गुण अवगुण आपके जीवन को प्रभावित करेंगे। सूर्य प्रभाव से आप अपने लक्ष्य को वेधने में सफल होंगी एवं जीवन में काफी ऊँचाईयाँ प्राप्त करेंगी। गुरु प्रभाववश आपके अन्दर बुद्धि चातुर्य अच्छा रहेगा। आप अपनी बुद्धि से समाज में ख्याति अर्जित करेंगी तथा नाम भी प्राप्त करेंगी ।

हर्षल या राहु के प्रभाव द्वारा आपमें अच्छा साहस रहेगा, लेकिन जब कभी आप दुःसाहस करेंगी या दिखायेंगी तब आपको लाभ के साथ हानि की भी उपलब्धि होगी। हर्षल ग्रह परिवर्तन का द्योतक है। अचानक सफलता, असफलता देता है। कभी-कभी यह ग्रह विस्फोटक स्थिति भी निर्मित करता है। अतः ऐसे कार्यों को जिनमें जोखिम या हानि की संभावना हो, उन्हें आपको सोच समझकर करना लाभप्रद रहेगा।

सूर्य- गुरु के योग से साहस एवं धैर्य आपमें अच्छा रहेगा एवं जीवन में कई अवसरों पर आप अपने साहस एवं धैर्य का परिचय देंगी। आपकी शीघ्रातिशीघ्र कार्य संपादन

करने की अभिलाषा रहेगी। कार्यों में रुकावट को आप बर्दास्त नहीं करेंगी और आपके सतत् प्रयत्न कार्य की सफलता में ही लगे रहेंगे।

MADHAV SONIA

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाऐं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विध्नों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

Ms.

भाग्यांक एक का अधिष्ठाता सूर्य ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आप अपने कार्यक्षेत्र में एक चतुर, बलवान, बुद्धिमान, राजसी ठाटबाट को पसन्द करने वाली स्पष्ट वक्ता होंगी। आप स्वभाव से गम्भीर, उदार हृदय, परोपकारी, सत्य के मार्ग पर चलने वाली यशस्वी तथा विरोधियों को परास्त करने में विश्वास रखने वाली शूरवीर महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी। आपका जीवन चक्र एक मुखिया की भाँति संचालित होगा अर्थात आप हुकूमत पसन्द, स्वतंत्र तथा स्थिर विचारधारा पर निर्भीक चलेंगी। अहं या स्वाभिमान आपमें कूट-कूट कर भरा होगा।

आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, आपकी मेहनत से होगी। अधिकारों में वृद्धि होगी। सूर्य अग्नि तत्व का द्योतक होने से आपका तेज समाज के विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त होगा। जीवनी शक्ति आप में अच्छी रहेगी एवं दूसरों को प्रोत्साहित करने में कुशल रहेंगी। आपका भाग्य उच्च श्रेणी का होने से आप एक दिन अपने श्रम, लगन, स्थिर प्रकृतिवश सर्वोच्चता को प्राप्त करेंगी। सूर्य प्रकाशित ग्रह होने से आपको हमेशा प्रकाश में रहना सुखकर लगेगा और ऐसे ही कार्यक्षेत्र को पसन्द करेंगी, जिसमें नाम तथा यश दोनों ही मिलें।

लग्न फल

MADHAV SONIA

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगे।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगे। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकते हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगे।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकते हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करते हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाते हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहते परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें। आपको मध्यपान की प्रवृति अर्थात् आदतों पर नियंत्रण रखना चाहिए।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत

अधिक धन सम्पति बना सकते हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकते हैं। आप गले के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकते है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

Ms.

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषम (राशि) लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल है। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखे आपको सुव्यवस्थित बनाएंगी तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक महिला हैं। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना की प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकती हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगी, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीली अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वाली प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करती हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करोगी। सम्प्रति आप ऐसा चाहती है कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेती हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देती हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगी। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आपको सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि की धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रूचिवान तथा आकर्षित है। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित की जाती हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुकी हैं। आप सदैव अपने पति एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहती हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता हैं। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न होवें। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सर्तक रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।

नक्षत्रफल

MADHAV SONIA

आपका जन्म पुष्य नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ हैं। अतः आपकी जन्म राशि कर्क तथा स्वामी चन्द्रमा होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका गण देव, नाड़ी मध्य, मेष योनि, विप्रवर्ण तथा मेष वर्ग होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "हु" अक्षर से होगा।

आप देवताओं की पूजा से अर्जित धन से धनवान होंगे। बुद्धि आपकी तीव्र होगी तथा समस्त कार्यों को बुद्धिमता से सम्पन्न करेंगे। आप नाना प्रकार के शास्त्रों के ज्ञाता होंगे। आप देखने में सुन्दर तथा सबके प्रिय रहेंगे तथा आपका जीवन समस्त सुखों के उपभोग करने में व्यतीत होगा। साथ ही आपकी प्रकृति कफ से युक्त रहेगी।

देवकर्म धनैर्युक्तो बुद्धियुक्तो विचक्षणः।
पुष्ये जायते लोकः शीतश्च सुभगः सुखीः।।
जातक दीपिका

आपकी प्रवृति धार्मिक प्रवृति होगी तथा ईश्वर में आपकी पूर्ण श्रद्धा एवं आस्था रहेगी। आपका हृदय हमेशा शान्त रहेगा तथा शान्तचित्त होकर ही आप अपने समस्त कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही पुत्रों से भी आप युक्त रहेंगे।

देवधर्म धनैर्युक्तः पुत्रयुक्तो विचक्षणः।
पुष्ये जायते लोके शान्तात्मा सुभगः सुखी।।
मानसागरी

आप ब्राहमणों तथा देवताओं के प्रति अपने मन में श्रद्धा भाव रखेंगे तथा यथाशक्ति इनकी पूजा एवं सत्कार करते रहेंगे। धन से आप हमेशा सुसम्पन्न रहेंगे। आप उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग के प्रिय रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा आदर प्राप्त होगा। आप अपने बन्धुवर्ग से भी युक्त रहेंगे तथा सबसे आपके अच्छे सामाजिक संबंध रहेंगे।

शान्तात्मा सुभगः पण्ळितो धनी धर्मसंभृतः पुष्ये।
बृहज्जातकम्

आप हमेशा शारीरिक रूप से सुन्दर तथा स्वस्थ रहेंगे। माता पिता के प्रति आप अपने कर्तव्य का पूर्ण रूप से निर्वाह करेंगे तथा यत्नपूर्वक उनकी सेवा करते रहेंगे। धर्मानुपालन की प्रवृति का भाव भी आपके मन में विद्यमान रहेगा। अन्य सामाजिक जनों के साथ आपका व्यवहार अत्यन्त ही विनयशील रहेगा। समाज में आप एक सम्मानीय व्यक्ति होंगे तथा सामाजिक यश की भी आपको प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त धन तथा वाहनादि सुखों से भी आप सदैव युक्त रहेंगे।

प्रसन्नगात्रः पितृमातृभक्तः स्वधर्मसक्तो विनयाभियुक्तः।
भवेन्मनुष्यः खलु पुष्यजन्मा सम्माननानाधनवाहनाढ्यः।

Ms.

आप चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में पैदा हुई है। अतः आपकी जन्मराशि तुला तथा राशि स्वामी शुक्र होगा। नक्षत्रानुसार आपकी योनि व्याघ्र, वर्ण शूद्र, वर्ग मृग, गण राक्षस तथा नाड़ी मध्य होगी। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "र" या "रा" अक्षर से होगा। यथा रश्मि, रानी आदि

आपकी प्रवृति नैसगिक रूप से धामिक होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा एवं सम्मान का भाव सर्वथा विद्यमान रहेगा तथा समय समय पर श्रद्धापूर्वक आप इनका पूजन एवं सम्मान करती रहेंगी। आप सपरिवार हमेशा अल्प उपलब्धि में संतुष्ट रहेंगी। अनावश्यक इच्छाएं तथा आवश्यकताओं पर आप पूर्ण रूप से नियंत्रण रख सकेंगी। धनैश्वर्य एवं धान्यादि का आपके पास अभाव नहीं रहेगा तथा इनसे आप हमेशा सुसम्पन्न रहेंगी तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करके सपरिवार जीवन यापन करेंगी।

पुत्रदारयुतसंतुष्टो धनधान्य समन्वितः।
देव ब्राह्मण भक्तश्च चित्रायां जायते नरः।।
मानसागरी

आप हमेशा नवीन वस्त्रों को धारण करने के प्रति प्रबल मात्रा में रूचिशील रहेंगी तथा गले में माला इत्यादि आभूषणों के प्रति भी आपका प्रेम रहेगा। आपकी आंखे अत्यन्त ही सुन्दर होंगी तथा शारीरिक सौन्दर्य भी दर्शनीय एवं आकर्षक रहेगा।

चित्राम्बर माल्यधरः सुलोचनाङ्गश्च भवति चित्रायाम्।।
बृहज्जातकम्

आपके अपने मन के गुप्त भेदों को अपने तक ही सीमित रखने में सर्वथा समर्थ रहेंगी तथा किसी अन्य व्यक्ति को कभी भी अपने मन की बातों को नहीं बताएंगी। इस प्रकृति से आप आजीवन युक्त रहेंगी। आप अपने समाज में एक आदरणीया तथा सम्माननीया होंगी तथा समाज में आपका पूर्ण प्रभाव रहेगा लेकिन अन्य जनों से भी आपके घनिष्ठ एवं मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा सबके प्रति आपके मन में पूर्ण अनुराग रहेगा।

चित्रायामति गुप्तशीलनिरतो मानी परस्त्रीरतः।।
जातकपरिजातः

आप अत्यन्त ही पराक्रमी तथा साहसी महिला होंगी तथा अपने शत्रुओं को पराजित करने एवं कुचलने में पूर्ण रूप से समर्थ रहेंगी। आपका कोई भी शत्रु प्रत्यक्ष रूप से मुकाबला करने का कभी भी साहस नही कर पाएंगा। नीति शास्त्र का आपको विषद् ज्ञान रहेगा तथा नीति संबंधी सभी कार्यो में आप निपुण रहेंगी। आपकी रूचि नाना प्रकार के विचित्र वेशभूषा धारण करने के लिए भी उत्सुक रहेगी। शास्त्रों के प्रति आप पूर्ण श्रद्धावान रहेंगी तथा परिश्रम पूर्वक शास्त्र ज्ञान में अपनी बुद्धि का परिचय देगी।

प्रतापसन्तापितशत्रुपक्षो नयेळतिदक्ष विचित्रवासः।
प्रसूतिकाले यदि यस्य चित्रा बुद्धिविचित्रा खलुतस्य शास्त्रे।।
जातकाभरणम्

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

राशिफल

MADHAV SONIA

कर्क राशि में उत्पन्न होने के कारण आपका स्वास्थय मध्यम रहेगा। आप अपने सभी कार्यों को कुशलता पूर्वक सम्पन्न करेंगे तथा जीवन भर विपुल धन से युक्त होकर समाज में धनाढ्य कहलाएंगे। आप वीरता तथा पराक्रम के भाव से हमेशा युक्त रहेंगे। धार्मिक भावना का समावेश आपके मन में व्याप्त रहेगा तथा पूर्ण रूप से आप धर्मानुसरण करेंगे तथा इसका पालन भी करेंगे। गुरूजनों के आप हमेशा प्रिय रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण स्नेह प्राप्त होगा। आपकी बुद्धिमता के प्रभाव को सभी लोग ह्दय से स्वीकार करेंगे। यदा कदा आपके अन्दर क्रोध की बहुलता भी दृष्टिगोचर होगी तथा साथ ही कभी कभी आप अत्यन्त दुःख का भी अनुभव करेंगे। आपके मित्र अच्छे तथा गुणों से युक्त होंगे साथ ही आप एक से अधिक कार्यों अथवा कलाओ में भी निपुण होंगे। शारीरिक बल भी मध्यम रूप से आप में विद्यमान रहेगा। आप घर से स्थाई या अस्थाई रूप से अन्यत्र निवास करेंगे।

कार्यकारी धनीशूरो धर्मिष्ठो गुरूवत्सलः।
शिरो रोगी महाबुद्धिः कृशाङ्गः कृत्यवित्तमः।।
प्रवासशीलः कोपाढ्योडबलो दुःखी सुमित्रकः।
अनासक्तो गृहे वक्रः कर्कराशौ भवेन्नरः।।

मानसागरी

आप वात तथा कफ प्रकृति से युक्त रहेंगे तथा आपका रूप भी सुन्दर तथा तेज युक्त होगा। आप अत्यन्त धनवान होंगे तथा स्वयं अपने परिश्रम से इस धन को अर्जन करेंगे। ब्राहमण तथा देवताओं में आपकी पूर्ण आस्था रहेंगी तथा यथा समय इनके प्रति पूर्ण श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगे। श्रेष्ठ कुल में उत्पन्न लोगों के प्रति आप सम्मान का भाव रखेंगे तथा इनकी सेवा तथा सहयोग करने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

पवनकफशरीरो देव संकाश रूपः।
स्वयमुपचित्तवित्तो देवताविप्रभक्तः।।
कुलजन परिसेवी मण्डलाकार मध्ये।
भवति विपुलवित्तः कर्कटौ यस्यराशिः।।

जातक दीपिका

वेदादिशास्त्रों के अध्ययन में भी आप रूचिशील होंगे तथा अपने अध्ययन तथा परिश्रम द्वारा इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। आप अन्य कलाओं के भी जानने वाले होंगे तथा चाल चलन आपका उत्तम रहेगा। पुष्पों की सुगन्ध तथा जल के आप प्रेमी होंगे तथा इनकी प्राप्ति से आप आनन्दानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही समाज में आपकी कीर्ति पूर्ण रूप से व्याप्त रहेगी।

श्रुतकलाबलनिर्मलवृतयः कुसुमगंध जलाशयकेलयः।
किल नरास्तु कुलीरगते विधौ वसुमतीसुमती स्मितलब्धयः।

जातकाभरणम्

स्त्री से आप पूर्ण रूप से पराजित होकर उसके वश में रहेंगे। आपके बहुत से मित्र होंगे तथा जलविहार के भी शौकीन रहेंगे। आपके द्वारा बहुत से भवन निर्मित होंगे अथवा आप स्वयं बहुत से मकानों के स्वामित्व को प्राप्त करेंगे। आपका कद सामान्य रहेगा तथा टेढी चाल से शीघ्र चलने की आपकी प्रवृति होगी। साथ ही पुत्रों की संख्या भी अल्प ही रहेगी।

स्त्रीनिर्जितः पीनगलः सन्मित्रो वहवालयास्तुकटि्र्धनाढ्यः।
ह्रस्वश्च वक्रो द्रुतगः कुलीरे मेधान्वितस्तोयरतोळल्प पुत्रः।।
फल दीपिका

आप अपने जीवन में विविध प्रकार की सम्पत्तियों को प्राप्त करेंगे ज्योतिष शास्त्र में आपकी पूर्ण आस्था होगी एवं इसका ज्ञान भी आपको रहेगा। आपका जीवन चन्द्रमा की कलाओं के समान क्षय वृद्धि को प्राप्त होगा अर्थात उतार चढाव तथा संघर्ष चलते रहेंगे। आपको केवल प्रेम या स्नेह से ही प्रसन्न रखा जा सकता हैं। दबाव या बलपूर्वक आप किसी के वश में नहीं आएंगे। आप अपने मित्रों को पूर्ण सम्मान तथा आदर प्रदान करने वाले होंगे। आपकी जीव पालने, उद्यान, बागबगीचे तथा जलाशयों के निर्माण में विशेष रूचि रहेगी।

आवक्रद्रुतगः समुन्नतकटिः स्त्रीनिर्जितः सत्सुहृद्।
देवज्ञा प्रचुरालयः क्षयधनैः सयुंज्यतेः चन्द्रवत्।।
ह्रस्वः पीनगलः समेति च वशं साम्ना सुहृदवत्सलः।
तोयोद्यानरतः स्ववेश्मसहितै जातः शशाळङकैः नरः।।
बृहज्जातकम्

आप हमेशा सौभाग्य से युक्त रहेंगे तथा अपने समस्तकार्यों को धैर्यपूर्वक सम्पन्न करने में समर्थ होंगे। साथ ही आप मकान के स्वामी भी बनेंगे। आपका अधिकांश समय भ्रमण तथा यात्राओं में ही व्यतीत होगा। विनयशीलता आपका स्वाभाविक गुण होगा। समाज के अन्य जनों द्वारा उपकृत होने पर आप उनके उपकार को मानने वाले होंगे। साथ ही आप राज्य के किसी भी उच्चाधिकार प्राप्त पद को भी सुशोभित कर सकते हैं। सत्य के अनुपालन करने में आप आजीवन यत्नशील रहेंगे तथा सर्वथा सत्य तथा प्रिय ही बोलेंगे जिससे किसी अन्य को कोई भी कष्ट न हो।

युक्तः सौभाग्ययोग्यैगृह सुहृदरटन ज्यौतिषज्ञान शीलैः।
कामासक्तकृतज्ञः क्षितीपतिसचिवः सत्प्रमाण प्रवासी।।
सोन्मादः केशकल्पो जलकुसुमरूचि र्हानिवृद्धयानुयातः।
प्रासादोद्यानवाणीप्रियकरणरतः पीनकण्ठः कुलीरे।।
सारावली

आपके लिए पौष मास, द्वितीया, सप्तमी तथा द्वादशी तिथियां शुक्ल तथा कृष्ण पक्ष दोनों की, अनुराधा नक्षत्र, व्याघात योग, नागकरण बुधवार, प्रथम प्रहर तथा सिंह राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल दाता होंगे। अतः आप 15 दिसम्बर से 14 जनवरी के मध्य, 2,7,12 तिथियों,

अनुराधा नक्षत्र, व्याघात योग तथा नागकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रय आदि महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि का ही योग बनेगा। साथ ही बुधवार, प्रथम प्रहर एवं सिंह राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य का भी पूर्ण रूप से ध्यान रखना चाहिए।

यदि आपके लिए अच्छा समय नहीं चल रहा हो मानसिक या शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या प्रोन्नति में बाधा उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव शंकर भगवान को नित्य विल्वपत्र चढ़ाने चाहिए तथा सोमवार का श्रद्धापूर्वक उपवास करना चाहिए। साथ ही सफेद मोती, सफेद वस्त्र, चावल, मिश्री आदि पदार्थो का किसी सुपात्र को दान करना चाहिए। इससे आपके अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा शुभ फलों में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त चन्द्रमा के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 10000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा लाभमार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ऊँ श्रां श्रीं श्रों सः चन्द्रमसे नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं क्लीं सोमाय नमः।

Ms.

तुला राशि में उत्पन्न होने के कारण आप शारीरिक सरंचना की दृष्टि से पतली होंगी तथा मुखमंडल भी पतला होगा। आपकी आंखे सुन्दर एवं बड़ी बड़ी होंगी तथा नाक ऊँची होगी। आपके पास वाहन प्रर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेंगे तथा अन्य सामाजिक पुरूषों से भी आपके संबंध रहेंगे। वाहन के अतिरिक्त भूमि से भी आप बलशाली रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ प्राप्त रहेगा। आपके पराक्रम को समाज में सभी वर्ग के लोग स्वीकार करेंगे तथा आपको हार्दिक मान तथा आदर प्रदान करेंगे। धनैश्वर्य तथा वैभवादि से भी आप हमेशा सुसम्पन्न रहेंगी इनकी न्यूनता की आपको कभी भी अनुभूति नहीं होगी साथ ही पति को अपने वश में करने में आप पूर्ण सफल रहेंगी। क्रियाशीलता की आपमें बहुलता रहेंगी तथा कई कार्यो की आप अच्छी ज्ञाता भी होंगी। देवताओं तथा ब्राहमणों की भी आप भक्त होंगी। आपकी प्रवृति धन इत्यादि के संग्रह में भी रहेगी तथा बन्धु वर्ग को भी आप पूर्ण रूप से सहायता तथा सहयोग प्रदान करेंगी।

उन्नासो व्यायताक्षः कृशवदनतनुर्भूरिदारो वृषाढ्यो।
गो भूम्यः शौचकरो वृषसमवृषणो विक्रमज्ञः क्रियेशः।।
भक्तो देवद्विजानां बहुविभवयुतः स्त्रीजितो हीनदेहो।
धान्यादानैकबुद्धिस्तुलिनि शशधरे बन्धुवर्गोपकारी।।
सारावली

आप सज्जनों तथा समाज की सम्मानपूर्वक सेवा कार्य करती रहेंगी। आप विदुषी होंगी तथा पवित्रता पूर्ण जीवन का निर्वाह करेंगी। आप का अधिकांश समय भ्रमण एवं यात्रादि करने में ही व्यतीत होगा। साथ ही वस्तुओं को खरीदने तथा बेचने का कार्य अर्थात् व्यापार में आप हमेशा निपुण एवं सफल रहेंगी। आप समय समय पर कई प्रकार की बाधाओं से भी

व्याकुलता प्राप्त करेंगी। आप अपने समस्त सम्बन्धियों तथा बन्धुवर्ग की यत्न पूर्वक भलाई करेंगी तथा उन्हें समयानुसार पूर्ण सहायता देंगी। परन्तु उन्हीं से बाद में आपको अपयश भी प्राप्त होगा।

देवब्राहमणसाधुपूजनरतः प्राज्ञः शुचिः स्त्रीजितः।
प्रांशुश्चोन्नतनासिका कृशचलदगात्रो डटनोडर्थान्वितः।।
हीनाङ्गः कयविकयेषु कुशलो देवद्विनामा सरूक्।
बन्धूनामुपकारकृद्वि रूषतस्त्यक्तस्तु तैः सप्तमे।।
बृहज्जातकम्

आप एक धैर्यशाली महिला होंगी तथा अपने समस्त कार्यो को धैर्यपूर्वक ही सम्पन्न करेंगी। शीघ्रता से कार्य करना आपकी प्रवृति के प्रतिकूल होगा। न्याय में आपकी पूर्ण आस्था रहेंगी तथा स्वयं भी न्यायप्रिय होंगी तथा निष्पक्ष रूप से अपनी बातों को अन्यों के समक्ष प्रस्तुत करेंगी। अतः लोग आकर आपसे पंच या मध्यस्थ का अनुरोध करेंगे जिसका आप निपुणता से निर्वाह करेंगी। साथ ही आपकी संतति संख्या अल्प होगी एवं भाग्योदय भी देर से होगा।

चलत्कृशाङ्गो डुतोडतभक्तो देवद्विजानामटनोद्विनामा।
प्रांशुश्च दक्षः कयविकयेषु धीरो डदयस्तौलिनि मध्यवादी।।
फलदीपिका

आपका शारीरिक कद मध्यम होगा। सरकार के उच्चपदाधिकारियों तथा अधिकारियों को प्रसन्न करने में आप हमेशा निपुण रहेंगी तथा इनसे पूर्ण आदर तथा सहयोग प्राप्त करेंगी साथ ही बंधुवर्ग को कुछ न कुछ सहयोग अवश्य प्रदान करती रहेंगी लेकिन आपका स्वभाव अधिक बोलने वाला भी होगा जिसका अन्य जनों पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ज्योतिष अथवा ग्रह नक्षत्र संबंधी शास्त्रों में आपकी रूचि रहेंगी तथा इसकी आप एक श्रेष्ठ विदुषी होंगी। बन्धु तथा सेवकों के प्रति भी आपके मन में प्रशंसनीय अनुराग रहेगा

भवति शिथिलगात्रो नातिदीर्घो न खर्वी।
जनपति परितोषी बान्धवेभ्यः प्रदाता।।
अतिशय बहुभाषी ज्योतिषां ज्ञान युक्तो।
भवति सः तुलाराशि बन्धुभृत्यानुरागी।।
जातक दीपिका

जीवन में आप प्रायः असमय पर क्रोध करने वाली होंगी तथा इससे समय समय पर आप दुःख की भी अनुभूति करती रहेंगी। आपकी वाणी अत्यन्त ही प्रिय एवं मधुर होगी जिससे अन्य जन आपसे हमेशा प्रभावित रहेंगे। आपकी आंखो में भी चंचलता हमेशा विद्यमान रहेगी परन्तु आथिक स्थिति आपकी उतार चढ़ाव से युक्त रहेगी। आप घर के अन्दर अत्यन्त शक्ति शाली होंगी परन्तु घर से बाहर दुर्बलता की अनुभूति करेंगी। व्यापार में आप हमेशा सलंग्न रहेंगी तथा मित्र वर्ग से हमेशा आप विशेष स्नेह तथा आदर का भाव प्रदर्शित करेंगी

जिससे मित्रवर्ग आप पर पूर्ण श्रद्धा तथा विश्वास रखेगा। इसके अतिरिक्त आप घर से बाहर विदेश या परदेश में भी निवास करेंगी।

अस्थानरोषणो दुःखी मृदुभाषी कृपान्वितः।
चलाक्षश्चललक्ष्मीको गृहमध्येळति विक्रमः।।
वाणिज्य दक्षो देवानां पूजको मित्रवत्सलः।
प्रवासी सुहृदयमिष्टस्तुला जातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

जीवन में आप वाहनादि से हमेशा सुशोभित रहेंगी। आपके पास धन वैभव प्रचुर मात्रा में सर्वदा विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त मित्र वर्ग से भी आपका स्नेह भाव रहेगा।

वृषतुरंग विक्रमविक्रमनद्विजसुरार्चनदानमना पुभान्।
शशिनि तौलिगते बहुदारभाग्विभवसंभव संचित विक्रमः।।
जातकाभरणम्

आपके लिए माघ मास, चतुर्थी, नवमी, चतुर्देशी तिथियां, शतमिषा नक्षत्र, शुक्ल योग, तैतिलकरण, गुरूवार चतुर्थ प्रहर तथा मीन राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल प्रदान करने वाले होंगे। अतः आप 15 जनवरी से 14 फरवरी के मध्य 4,9,14 तिथियों, शतमिषा नक्षत्र, शुक्ल योग तथा तैतिलकरण में कोई भी शुभकार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रय विक्रयादि अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को प्रारम्भ न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही गुरूवार चतुर्थ प्रहर तथा मीन राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यो में वर्जित रखे। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखें।

यदि आपके लिए समय अनुकूल न चल रहा हो मानसिक अशान्ति शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी प्राप्ति या पदोन्नति में बाधा या अन्य शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में असफलता प्राप्त हो रही हों तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी लक्ष्मी की उपासना करनी चाहिए तथा शुक्रवार के उपवास भी करने चाहिए साथ ही सोना, चांदी, हीरा, चावल, श्वेत वस्त्र, श्वेत चन्दन, दूध आदि का भी श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए ऐसा करने से आपको मन की शान्ति मिलेगी तथा अशुभ फलों में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शुक्र के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 20000 जप किसी योग्य विद्वान स, सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे।

ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
मंत्र- ऊँ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

MADHAV SONIA

आपके जन्म समय में लग्न में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चन्द्रमा है। सामान्यतया कर्क लग्न में उत्पन्न जातक शांत स्वभाव एवं दृढ़तापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करने वाले होते हैं। इनकी प्रवृति भावुक होती है तथा प्रेम एवं स्नेह का निश्छल भाव इनके अंदर विद्यमान रहता है। जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में ये समर्थ रहते है तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करते हैं। धर्म के प्रति ये श्रद्धालु होते हैं तथा समाज एवं देश सेवा के कार्य में इनकी इच्छा रहती है। दूसरे लोगों की आंतरिक भावनाओं को समझने में ये चतुर होते हैं। साथ ही राजनीति या सरकारी क्षेत्र में उच्चाधिकार प्राप्त सम्मानित पद को अर्जित करने में सफलता प्राप्त करते हैं जिससे समाज में इनको इच्छित मान प्रतिष्ठा एवं यश की प्राप्ति होती है।

अतः इसके प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक सन्तुष्टि भी बनी रहेगी। आपका स्वरूप सुदंर एवं दर्शनीय होगा तथा अन्य जनों को आकर्षित तथा प्रभावित करने में समर्थ होंगे। आप एक विद्वान तथा बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रायः अच्छी रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

लग्न में चन्द्रमा की स्थिति के प्रभाव से आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे एवं अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को उत्साह तथा परिश्रम से करेंगे। इनमें आपको सफलताएं भी प्राप्त होगीं जिससे आपके सर्वत्र उन्नति मार्ग प्रशस्त रहेंगे। धन एवं वैभव से भी आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आपकी बुद्धि श्रेष्ठ होगी तथा उत्कृष्ट कार्यकलापों को सम्पन्न करने में तत्पर होंगे।

आप एक कर्तव्यपरायण व्यक्ति होंगे तथा ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। इससे आपके कार्य क्षेत्र के प्रभाव में सतत वृद्धि होगी। आपका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगे। साथ ही मित्रों में भी आप आदरणीय एवं सम्माननीय समझें जाएंगे तथा मित्रता का क्षेत्र भी विस्तृत होगा। संतति से आप युक्त रहेंगे तथा जीवन में इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। आप में कृतज्ञता की भावना भी विद्यमान रहेगी फलतः अन्य जनों के उपकार को आप स्वीकार करेंगे तथा उनका हार्दिक आभार प्रकट करेंगे।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा होगी तथा नियमित रूप से धार्मिक कार्यकलापों एवं अनुष्ठानों को अवसरानुकूल सम्पन्न करते रहेंगे। जल क्रीड़ा के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी तथा इससे आपको आनंद की अनुभूति होगी। ज्यौतिष के प्रति भी आपकी श्रद्धा होगी तथा इसके ज्ञानार्जन में भी रूचिशील होंगे।

इस प्रकार आप शांत, दृढ़-प्रतिज्ञ, कर्तव्यपरायण, परिश्रमी एवं साहसी पुरूष होंगे

तथा जीवन में सर्व सुखों को अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

Ms.

आपके जन्म समय में लग्न में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। सामान्यतया कन्या लग्न में उत्पन्न जातक अध्ययनशील होते हैं तथा कई विषयों के ज्ञानार्जन में उनकी रूचि रहती है। अतः समाज में सामान्यतया विदुषी के रूप में इनकी छवि रहती है। ये गुणवान व्यक्ति होते हैं भाग्य इनका प्रबल रहता है तथा अल्प परिश्रम से ही इनके सांसारिक महत्व के कार्य सफल हो जाते हैं जिससे भौतिक सुख संसाधन एवं धनैश्वर्य की इनके पास प्रचुरता रहती है। ये अत्यंत बुद्धिमान होते हैं तथा अपनी बुद्धि के द्वारा कठिन से कठिन समस्या का समाधान करने में समर्थ रहते हैं। अतः सरकारी कार्यों में प्रशासन के क्षेत्र में ये अपना योगदान प्रदान करते हैं तथा वहां सम्मानित एवं आदरणीय रहते हैं। ये भावुकता की अपेक्षा बुद्धि से कार्य लेते है जिससे इनके उन्नति मार्ग सर्वदा प्रशस्त रहते हैं।

अतः इसके प्रभाव से आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा आपसे सभी लोग प्रभावित होंगे। अध्ययन के प्रति आपके रूचि होगी तथा विभिन्न विषयों का ज्ञान अर्जित करने में समर्थ होंगी। आप लेखन मनोविज्ञान या आलोचना के क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगी। आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा सांसारिक महत्व के कार्यों में आपको अल्प परिश्रम से ही शीघ्र सफलता प्राप्त होगी। आपके बुद्धि में भी तीक्ष्णता रहेगी तथा गूढ़ से गूढ़ समस्याओं का समाधान करने में समर्थ होंगी फलतः प्रशासनिक क्षेत्र में आप अपना योगदान प्रदान कर सकते हैं। यदि आप नौकरी या कोई कार्य नहीं करती है तो उपरोक्त योग आपके पति पर घटित होंगे।

लग्न में मंगल की स्थिति के प्रभाव से आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा मानसिक उद्विग्नता रहेगी। पिता के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा होगी तथा उनकी सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी। बाल्यावस्था में आपका समय संघर्ष पूर्ण रहेगा परन्तु मध्य अवस्था के बाद आप पूर्ण सुखी रहेंगी। पुत्र संतति से आप युक्त होंगी तथा इनसे आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। आप एक पराक्रमी महिला होंगी तथा स्वपराक्रम एवं योग्यता से सांसारिक कार्यों में सफलता अर्जित करेंगी।

आप में तेजस्विता का भाव भी विद्यमान रहेगा अतः अवसरानुकूल आप उग्रता का भी प्रदर्शन करेंगी लेकिन इससे आपको कई बार अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। अतः उग्रता के भाव का यत्नपूर्वक परित्याग करना चाहिए। अन्य जनों के प्रति आपके मन में उदारता का भाव भी रहेगा तथा समयानुसार परोपकार संबंधी कार्यों में भी इच्छा रहेगी। कार्य क्षेत्र में आपका प्रभाव रहेगा तथा लेखन या कला सम्बन्धी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। आपकी बुद्धि भी तीव्र होगी तथा कठिन से कठिन समस्याओं का समाधान करने में समर्थ रहेंगी अतः प्रशासनिक क्षेत्र में आप अपना योगदान प्रदान कर सकती हैं।

धर्म के प्रति आपके सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अल्प मात्रा में ही धार्मिक कार्यकलापों को सम्पन्न करेंगी। मित्र वर्ग में आपका प्रभाव रहेगा तथा सभी लोग आपको सहयोग प्रदान करेंगे इसके अतिरिक्त आप अपने पराक्रम तेजस्विता बुद्धिमता तथा योग्यता से

इच्छित मान - सम्मान प्राप्त करेंगी तथा सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करेंगी।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

MADHAV SONIA

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में सिंह राशि उदित हुई है तथा सूर्य इस राशि का स्वामी है। अतः इसके प्रभाव से आप अधिक बोलना पसन्द नहीं करेंगे तथा अधिकाशं समय शान्त रहना ही आपको रूचिकर लगेगा तथा अवसरानुकूल ही वार्तालाप करना पंसद करेंगे। वैभवशाली वस्तुओं की प्राप्ति तथा शुभ एवं मांगलिक कार्यो को सम्पन्न करने में आप सर्वदा उत्सुक तथा तत्पर रहेंगे। आप कभी कभी शीघ्र ही क्रोधित भी होंगे लेकिन शीघ्र ही शांत भी हो जाएंगे। पारिवारिक शान्ति तथा खुशहाली के लिए आप हमेशा प्रयत्नशील रहेंगे तथा यत्नपूर्वक पारिवारिक जनों को पूर्ण सुविधाएं प्रदान करेंगे। पैतृक सम्पति की आपको अवश्य प्राप्ति होगी। साथ ही बहुमूल्य वस्तुओं से भी आप सुसम्पन्न रहेंगे।

जीवन में आपको जमीन जायदाद संबंधी लाभ होगा तथा गृह एवं वाहन आदि के स्वामित्व को भी प्राप्त करेंगे। सामाजिक जनों को आकर्षित तथा प्रभावित करने के लिए आप मधुर वाणी का प्रयोग करेंगे। साथ ही आपके स्पष्ट तर्को से सभी लोग आपसे सहमत रहेंगे। परिवार की सुख शान्ति पर आप प्रचुर मात्रा में व्यय करेंगे धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा परिवार में धार्मिक कार्यक्रम या उत्सव समय समय पर होते रहेंगे। परिवार के अतिरिक्त अन्य जनों का पालन पोषण करने में भी आप समर्थ रहेंगे। इस प्रकार आप एक जागरूक, धार्मिक तथा परोपकारी प्रवृति से युक्त होकर समाज में मान सम्मान अर्जित करके अपना समय व्यतीत करेंगे।

Ms.

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में तुला राशि उदित हुई है जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आपका पारिवारिक जीवन सुख शान्ति एवं समृद्धि से युक्त रहेगा तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर मिल जुलकर रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे। आपकी वाणी अत्यंत ही मधुर एवं प्रभावशाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगी तथा अपने वाक्चातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में भी सम्पन्न रहेंगी। इसके साथ ही प्रौढ़ावस्था में आप अल्प मात्रा में नेत्र संबंधी कष्ट की भी अनुभूति कर सकती हैं।

धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक तथा शुभ एवं मांगलिक कार्यो को समय समय पर सम्पन्न करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य उत्सवों की भी प्रिय होंगी तथा ऐसे उत्सवों के आयोजन भी समय समय पर होते रहेंगे। जीवन में आपको पैतृक सम्पति भी अर्जित होगी। साथ ही अपने परिश्रम पराक्रम एवं सौभाग्य से भी वांछित मात्रा में धनऐश्वर्य एवं वैभव अर्जित करने में सफल रहेंगी। परिवार को सुख सुविधा तथा प्रसन्नता प्रदान करना आपका मूल उद्देश्य रहेगा। समाज में आप एक आदरणीया महिला होंगी तथा सौभाग्य से अपना जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी। साथ ही व्यापार संबंधी लाभ भी समय

समय पर होता रहेगा।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

MADHAV SONIA

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है तथा शुक्र भी स्वगृही होकर चतुर्थ भाव में ही स्थित है। अतः इसके शुभ प्रभाव से जीवन में आपको समस्त सांसारिक एवं भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी तथा सुख पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। आप एक ऐश्वर्यशाली व्यक्ति होंगे तथा समाज में आपका यथोचित स्तर बना रहेगा।

आप एक सौभाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति को अवश्य प्राप्त करेंगे। चतुर्थ भावस्थ शुक्र के प्रभाव से विवाह के बाद आपकी धन सम्पत्ति में वृद्धि होगी तथा पत्नी के सहयोग एवं प्रभाव से प्रचुर मात्रा में धन एवं सम्पत्ति अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त अचल सम्पत्ति की अपेक्षा चल सम्पत्ति से शीध्र लाभ एवं वृद्धि के योग बनते है। अतः यदि आप उपयुक्त जगह पूंजीनिवेश करें तो शीध्र लाभान्वित हो सकते हैं।

जीवन में आपको उत्तम गृह की प्राप्ति होगी तथा आपका घर विशाल सुन्दर एवं आकर्षक होगा। आप भी इसकी सुन्दरता बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत रूप से रूचिशील होंगे। आपके पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगे तथा आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त उत्तम वाहन से भी युक्त होंगे तथा सुखपूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आपके घर तथा वाहन एक से अधिक हो सकते है।

आपकी माताजी सुन्दर सुशिक्षित बुद्धिमान एवं आधुनिक विचारों की महिला होंगी तथा सुन्दरता की वह प्रिय होगी। वह स्वभाव से भी शांत एवं मृदु होंगी तथा पारिवारिक जनों के प्रति वह अपने कर्तव्यों का पालन करेंगी एवं पारिवारिक जन भी उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर होंगे। आपके प्रति उनके मन में विशेष वात्सल्य का भाव होगा तथा जीवन में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होने में उनका विशेष योगदान रहेगा। आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रखेंगे तथा सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगे।

चतुर्थ भाव में स्वगृही शुक्र के प्रभाव से विद्याध्ययन के क्षेत्र में आपकी प्रबल रूचि होगी तथा प्रारंभिक कक्षाओं से ही आप अच्छे अंक अर्जित करके परीक्षाएं उतीर्ण करेंगे। इससे आपके मन में शिक्षा के प्रति उत्साह बना रहेगा एवं स्नातक परीक्षा भी आप अच्छे अंको से अर्जित करके अपने उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगे। अतः आप दुगुने उत्साह से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे तथा उनमें इच्छित सफलता अर्जित करके उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे।

Ms.

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में धनुराशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप समस्त संसारिक एवं भौतिक सुखों को अर्जित करने में

सफल होंगी। आधुनिक सुख संसाधनों एवं उपकरणों से भी युक्त होंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। आप एक वैभवशाली महिला होंगी तथा समाज में आपको यथोचित स्तर बना रहेगा तथा सभी लोग आपको वांछित सम्मान एवं आदर प्रदान करेंगी।

आप एक भाग्यशाली महिला होंगी तथा जीवन में आपको काफी चल एवं अचल सम्पत्ति का स्वामित्व प्राप्त होगा। मामा के प्रभाव या सहयोग से भी आपको काफी धन सम्पत्ति मिल सकती है। आप स्वपराक्रम परिश्रम एवं बुद्धिमता से चल एवं अचल सम्पत्ति अर्जित करने में समर्थ होंगी। आपको चल सम्पत्ति से शीध्र लाभ होगा अतः इसके लिए आप समयानुसार पूंजी निवेश कर सकती हैं।

आपका आवास उत्तम होगा तथा आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त रहेगा। समस्त भौतिक उपकरणों की इसमें प्रबलता रहेगी। घर की सुन्दरता का आप विशेष ध्यान रखेंगी तथा अन्य जनों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगी। आपका घर किसी अच्छी अच्छी कालोनी में होगा तथा पड़ोसी भी शिक्षित एवं बुद्धिमान होंगी एवं आपसी संबंधों में भी अनुकूलता होगी। इसके अतिरिक्त उत्तमवाहन से भी आप युक्त होंगी तथा युवावस्था के बाद अपने वाहन का सुख प्राप्त करेंगी।

आपकी माता जी शिक्षित, बुद्धिमान एवं हास्य प्रिय महिला होंगी तथा अपने हास्यप्रिय स्वभाव से सभी को प्रसन्न तथा प्रभावित करेंगी। परिवार का वह पूर्ण लालन-पालन करेंगी तथा अपनी ओर से किसी भी सदस्य को कोई भी कष्ट नहीं होने देंगी। परिवार में सभी लोग उनकी आज्ञा का पालन करेंगे तथा मान-सम्मान भी प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनका विशिष्ट स्नेह भाव होगा एवं आपकी उन्नति में उनका प्रमुख योगदान रहेगा। आपको समय समय पर उनसे वांछित आर्थिक सहयोग भी मिलता रहेगा। आप भी उनका पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा अपनी ओर से कोई कष्ट नहीं होने देंगे। इससे आपके आपसी संबंधों में मधुरता का भाव विद्यमान होगा।

लग्नेश बुध की स्थिति के प्रभाव से आप प्रारंभ से ही एक अध्ययनशील महिला होंगी तथा अपनी प्रारंभिक कक्षाओं से ही परीक्षाओं में अच्छे अंक अर्जित करेंगी। आप स्नातक परीक्षा भी अच्छे अंको से ससम्मान उतीर्ण करेंगी। इससे आपके मन में आत्मविश्वास के भाव की वृद्धि होगी तथा भविष्य भी उज्ज्वल बनेगा। स्वजनों एवं मित्रवर्ग से आपको पूर्ण प्रोत्साहन तथा सम्मान मिलेगा। इससे अतिरिक्त आप न्याय संबंधित शिक्षा में इच्छित सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

यद्यपि आप जीवन में सामान्यतया स्वस्थ ही होंगी परंतु वृद्धावस्था में यदा कदा रक्त चाप आदि से परेशानी की अनुभूति कर सकती है। अतः यदि खान-पान का उचित पथ्य रखें तो ऐसी समस्याओं से आप सुरक्षित हो सकती हैं तथा सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

MADHAV SONIA

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप एक बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने सांसारिक महत्व के कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे परन्तु बुद्धि में तीक्ष्णता के भाव की न्यूनता होगी जिससे समस्याओं के समाधान में किंचित विलम्ब हो सकता है। अतः आपको सोच समझकर निर्णय लेना चाहिए तथा शीघ्रता नहीं करनी चाहिए। नीचस्थ चन्द्र के प्रभाव से वैदिक एवं धर्मशास्त्रों में आपकी रूचि अल्प मात्रा में होगी परन्तु आधुनिक विज्ञान एवं भौतिक शास्त्र में आपकी पूर्ण रूचि होगी एवं इस क्षेत्र में अत्यधिक परिश्रम से वांछित ज्ञान अर्जित करने में समर्थ होंगे। आप कोई शोध कार्य भी आप सम्पन्न कर सकते हैं। इससे आपकी सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग एक विद्वान के रूप में आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे।

पंचमभाव में वृश्चिक राशि के प्रभाव से प्रेम प्रसंगो में आप की काफी रूचि होगी तथा मनोरंजन एवं दिल बहलाने का आप इसे साधन समझेंगे। इसमें मर्यादा एवं आदर्श की भावना भी कम ही होगी जिससे आपको समय समय पर अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उसके अतिरिक्त ही भावात्मक लगाव की अपेक्षा शारीरिक लगाव अधिक होगा। अतः ऐसी स्थितियों की आपको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

जीवन में आपको संतति प्राप्ति में आपको विलम्ब होगा तथा कन्या सन्तति अधिक होगी। आपकी सन्तति बुद्धिमान, योग्य एवं तेजस्वी प्रवृति के होंगे तथा अपने इन गुणों से जीवन में वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करेंगे लेकिन माता-पिता की आज्ञा का पालन वे अल्प मात्रा में ही करेंगे तथा अपनी मर्जी के कार्य ही अधिक करेंगे। वे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में माता-पिता की सलाह कम ही लेंगे आपकी सेवा में व्यावहारिक बुद्धि के होंगे अतः आपको उन्हें स्वतन्त्र रूप से कार्य करने देने चाहिए तथा उन पर किसी भी प्रकार का दबाव नहीं डालना चालिए। इससे आपके सम्बन्धों में अनुकूलता बनी रहेगी। इसके अतिरिक्त बच्चों से आपको विशेष अपेक्षा नहीं करनी चाहिए तथा वृद्धावस्था के लिए अपने लिए यथोचित मात्रा में धन संचित करके रखना चाहिए।

अध्ययन के क्षेत्र में आपकी सन्तति काफी परिश्रम एवं पराक्रम से ही सन्तोषजनक उन्नति करने में समर्थ होगी। यद्यपि आप उनकी शिक्षा का समुचित प्रबन्ध करेंगे लेकिन वे इसका पूर्ण लाभ उठाने में समर्थ होंगे परन्तु वे व्यावहारिक प्रवृति के होंगे तथा अपनी चतुराई से आजीविका अर्जन में समर्थ रहेंगे तथा आनन्द पूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त तेजस्वी प्रवृति होने के कारण यदा-कदा अन्य सामाजिक जनों से उनका विवाद भी हो सकता है लेकिन सामान्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Ms.

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है तथा बृहस्पति भी अपनी नीच राशि में पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यद्यपि आप एक बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपने कार्य कलापों को समान्यतया बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करेंगी लेकिन किसी समस्या के शीघ्र समाधान में अपने आप को असमर्थ सा महसूस करेंगी। आप में शीघ्र निर्णय लेने की क्षमता भी कम ही होगी तथापि शुभ ग्रह की नीचराशिस्थ स्थिति से विलम्ब से ही सही सकारात्मक निर्णय लेने में समर्थ होंगी। वैदिक साहित्य धर्म एवं दर्शन के प्रति आपकी न्यूनाधिक मात्रा में रूचि होगी। आधुनिक बौद्धिक विषयों में भी आप रुचिशील होंगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञानार्जन करके अपनी विद्वता में बृद्धि करेंगी जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

पंचमभाव में नीचस्थ बृहस्पति के प्रभाव से प्रेम-प्रसंगो में भी आपकी रूचि होगी तथा मनोरंजन एवं आत्म सन्तुष्टि के लिए आप ऐसे सम्बन्धों को स्थापित करने की इच्छुक होंगी लेकिन आपको ऐसे प्रसंगों में मर्यादा तथा नैतिकता का यत्नपूर्वक पालन करना चाहिए अन्यथा इससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

बृहस्पति की नीचस्थ स्थिति पंचमभाव में होने के कारण आपको सन्तति प्राप्ति में किंचित विलम्ब एवं व्यवधानों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन सन्तति प्राप्ति अवश्य होगी। आपकी सन्तति तेजस्वी, पराक्रमी एवं परिश्रमी होगी तथा अपने इन्हीं गुणों से वे जीवन में उन्नति तथा सफलता अर्जित करेंगी। माता-पिता के प्रति उनके मन में श्रद्धा एवं सम्मान का भाव होगा तथापि यदा-कदा वे अपनी मर्जी के कार्य कर सकते है तथा माता-पिता की आज्ञा-पालन में उपेक्षा कर सकते है। वे शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में उनकी सलाह एवं सहयोग भी अल्प मात्रा में लेंगे। लेकिन इसकी आपको चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा उन्हें स्वतन्त्र कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे आपसी सम्बन्धों में सदभाव एवं विश्वास बना रहेगा। इसके अतिरिक्त बच्चों से आपको वृद्धावस्था में विशेष अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए तथा अपने लिए यथोचित धन आदि संचित करके रखना चाहिए।

अध्ययन की दृष्टि से आपकी सन्तति परिश्रमी होगी तथा अपनी योग्यता एवं परिश्रम से सन्तोष जनक प्रगति करेंगी। आप भी उनकी शिक्षा का पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा आधुनिक परिवेश प्रदान करेंगी। इसके अतिरिक्त यदा-कदा बच्चे अन्य सामाजिक जनों से वाद-विवाद भी कर सकते हैं जिससे आपको परेशानी की अनुभुति होगी परन्तु अपने सद्व्यवहार से आप इसे सुलझाने में समर्थ होंगी। इस प्रकार सन्तति सुख आपका मध्यम ही होगा।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

MADHAV SONIA

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है सामान्यतया मकर राशि की सप्तम भाव में स्थिति के प्रभाव से जातक का सहयोगी चंचल वात प्रकृति एवं धनवान होता है परन्तु सौम्य एवं जलीय ग्रह चन्द्र के प्रभाव से वह सुशील सहिष्णु एवं बुद्धिमान होता है तथा अपने कार्य कलापों से अन्य जनों को प्रभावित करने में समर्थ रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आपकी पत्नी चंचल तथा सुशील स्वभाव की महिला होंगी तथा अपने समस्त कार्यो को शांत मन से सम्पन्न करेंगी वह एक बुद्धिमती महिला होंगी तथा अपने उत्कृष्ट कार्य कलापों से अन्य जनों को प्रभावित करेंगी। कला एवं संगीत के प्रति भी उनकी रूचि होगी। चन्द्रमा जैसे शुभ ग्रह के प्रभाव से उनमें कर्तव्य परायणता का भाव रहेगा एवं समाज तथा परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करेंगी जिससे आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आपकी पत्नी गौर वर्ण की आकर्षक एवं सुंदर महिला होंगी तथा उनका कद भी सामान्य रहेगा। उनकी शारीरिक संरचना भी उत्तम रहेगी तथा अन्य अंग प्रत्यंगों की पुष्टता एवं सुडौलता से उनके सौन्दर्य की अभिवृद्धि होगी एवं इसके लिए वह आधुनिक सुख संसाधनों का भी प्रयोग करेंगी। जलीय राशि मकर एवं जलीय ग्रह चन्द्रमा के प्रभाव से उनमें आयु के साथ साथ स्थूलता भी आ सकती है। साथ ही कला एवं सुंदर वस्तुओं के प्रति भी उनके मन में प्रबल आकर्षण होगा।

आपका विवाह संबंधियों के सहयोग से सम्पन्न होगा तथा महिला संबंधियों का इसमें विशेष योगदान रहेगा। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा आपस में प्रेम पूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे के मनोभावों का पूर्ण आदर करेंगे। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आपसी सहमति तथा सहयोग से पूर्ण करेंगे। इससे संबंधों में मधुरता रहेगी तथा परस्पर विश्वास का भाव भी बना रहेगा।

आपका विवाह सामान्य परिवार में होगा तथा आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से उनकी स्थिति साधारण रहेगी। सास ससुर से आपके सामान्य संबंध अच्छे रहेंगे तथाा वे भी आपको यथोचित स्नेह तथा नैतिक सहयोग प्रदान करेंगे। इससे आपका परस्पर मेल मिलाप भी होता रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपकी पत्नी की पूर्ण सेवा तथा श्रद्धा की भावना रहेगी तथा सुख दुख में उनका पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं अपनी ओर से कोई कष्ट नहीं होने देंगी। देवर एवं ननदों को भी वह अपने मृदु व्यवहार एवं वाणी से प्रभावित तथा प्रसन्न रखेंगी तथा वे भी उन्हें यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे।

व्यापार में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल रहेगी एवं माता या अन्य स्त्री वर्ग के साथ साझेदारी से वांछित लाभ एवं उन्नति होगी तथा आपस में विश्वसनीयता भी बनी रहेगी।

Ms.

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है तथा शनि भी सप्तम भाव को प्रभावित कर रहा है। सामान्यतया सप्तम भाव में मीन राशि की स्थिति से जातक का सहयोगी सुशील धनवान वात कफ प्रवृति का होता है लेकिन शनि के प्रभाव से उसमें उग्रता का भाव भी रहता है तथा परिश्रम पूर्वक अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करता है।

अतः इसके प्रभाव से आपके पति सुशील स्वभाव के व्यक्ति होंगे परन्तु यदा कदा उग्रता के भाव का भी प्रदर्शन करेंगे। शनि के प्रभाव से वह सांसारिक कार्य कलापों को परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। भौतिकता के प्रति भी उनकी रूचि होगी कर्तव्य परायणता का भाव भी अल्प ही रहेगा जिससे समाज एवं परिवार के प्रति ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का पालन कम ही करेंगे।

आपके पति श्यामवर्ण के आकर्षक व्यक्ति होंगे तथा उनका कद ऊंचा होगा। शनि के प्रभाव से उनकी शारीरिक संरचना पतलेपन से युक्त होगी परन्तु पुष्टता बनी रहेगी जिससे उनके आकर्षण में वृद्धि होगी तथा व्यक्तित्व में भी निखार आएगा। आधुनिकता के प्रति उनकी रूचि होगी तथा भौतिक उपकरण तथा कलात्मक वस्तुओं के संग्रह में रूचिशील रहेंगे।

सप्तम भाव में शनि के प्रभाव से आपके विवाह में विलम्ब होगा तथा विवाह पूर्व वार्ताओं में भी व्यवधान आएंगे। आपका विवाह विज्ञापन के माध्यम से होगा परन्तु शनि के प्रभाव से आप प्रेम या अंतर्जातीय विवाह भी कर सकती हैं। विवाह के बाद आपका दाम्पत्य जीवन सामान्य रूप से सुखी रहेगा तथा आपस में प्रेम तथा सहयोग की भावना होगी सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप आपसी सहमति तथा सहयोग से सम्पन्न करेंगी। परन्तु शनि के प्रभाव से पति के स्वाभाविक उग्रता से आपको परेशानी की अनुभूति हो सकती है अतः ऐसे समय में शांति एवं बुद्धिमता का व्यवहार करना चाहिए।

आपका विवाह किसी समृद्ध एवं धनवान परिवार से होगा तथा सामाजिक रूप से भी उनकी प्रतिष्ठा रहेगी। सास ससुर से आपके संबंधों में औपचारिकता बनी रहेगी एवं समय समय पर एक दूसरे को सहयोग तथा सलाह देते रहेंगे। आप भी उनको पूर्ण महत्व देंगी जिससे एक दूसरे के प्रति विश्वास का भाव रहेगा।

सास ससुर के प्रति आपके पति का विशेष सेवा भाव नहीं रहेगा तथा सुख दुख में उनकी यथोचित देखभाल नहीं करेंगे। साथ ही तेजस्वी स्वभाव से सालियां एवं साले भी उनको यथोचित मान सम्मान एवं सहयोग नहीं देंगे।

व्यापार या अन्य महत्वपूर्ण कार्यो में साझेदारी के लिए स्थिति अनुकूल नहीं होगी तथा इसमें आपको लाभ की अपेक्षा हानि होगी एवं आपस में विश्वसनीयता भी नहीं रहेगी अतः

साझेदारी की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

MADHAV SONIA

आपके जन्म समय में दशमभाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। साथ ही केतु भी दशम भाव में ही स्थित है। मेष राशि अग्नितत्व एवं केतु वायुतत्व युक्त ग्रह है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्यक्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया प्रधान होगा तथा समय समय पर आप इसमें परिवर्तन करने के भी इच्छुक होंगे। इस परिवर्तन से आपको यथोचित लाभ भी अवसरानुकूल प्राप्त होता रहेगा जिससे आप मानसिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

दशमभावस्थ केतु के प्रभाव से आपके लिए उचित आजीविका क्षेत्र वायुसेना, हवाई सेवाएं, विद्युत इंजीनियरी, रासायनिक क्षेत्र, राजनीति, होटल प्रबंधन या कर्मचारी तथा अन्य कार्य उपयुक्त रहेंगे तथा इन क्षेत्रों में कार्य करने से आपको वांछित लाभ एवं उन्नति होगी तथा अपने भविष्य को सुरक्षित करने में समर्थ होंगे। अतः यदि आप कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति सफलता एवं सम्मान प्राप्त करना चाहते है तो आपको उपरोक्त क्षेत्रों में ही आजीविका का चुनाव करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में लोहे का कार्य, खनिज पदार्थ, विद्युत उपकरण, वाहन संबंधी व्यापार खेती या जायदाद संबंधी कार्य, ट्रेवल एजेंसी, खेती बागवानी एवं श्रमसाध्य व्यापार से वांछित लाभ एवं उन्नति अर्जित करने में समर्थ होंगे। इन क्षेत्रों में व्यापार करने से आपको वांछित सफलता की प्राप्ति होगी तथा भविष्य के लिए भी लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे जिससे आजीवन आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी तथा आपके कार्यक्षेत्र में भी विस्तार होगा।

दशमभाव में मेष राशि में केतु की स्थिति के प्रभाव से जीवन में आप वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही आपको सामाजिक यश की भी प्राप्ति होगी। आप एक अधिकार प्राप्त व्यक्ति होंगे तथा समाज में सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। नैसर्गिक पापी ग्रह केतु के प्रभाव से आप को उपरोक्त मान सम्मान प्रतिष्ठा एवं यश की विलम्ब से प्राप्ति होगी तथा इससे अनावश्यक व्यवधानों तथा समस्याओं का भी सामना करना पड़ेगा लेकिन इससे आपको निराश नहीं होना चाहिए तथा परिश्रम तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

आपके पिता एक तेजस्वी पराक्रमी एवं मेधावी व्यक्ति होंगे तथा समाज में उनका व्यक्तित्व प्रभावशाली रहेगा एवं सभी लोग उनके प्रभाव को स्वीकार करेंगे लेकिन उनमें क्रोध के भाव की भी अधिकता होगी। आपके प्रति वे पूर्ण वात्सल्य भाव से युक्त होंगे तथा शिक्षा दीक्षा का उचित प्रबंध करेंगे। साथ ही कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता में वे आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा उनके प्रभाव से आप यथोचित कार्यक्षेत्र प्राप्त करने में समर्थ होंगे। आप भी अपने कार्यकलापों से उनकी प्रतिष्ठा भी वृद्धि करेंगे। लेकिन आपके परस्पर संबंधों में मधुरता कम ही रहेगी तथा वैचारिक तथा सैद्धान्तिक मतभेदों की प्रबलता के कारण इसमें तनाव उत्पन्न

होंगे। अतः आप दोनों को चाहिए कि ऐसे अवसरों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करें।

Ms.

आपके जन्म समय में दशम भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। साथ ही सूर्य भी दशम भाव में ही स्थित है। मिथुन राशि वायुतत्व तथा सूर्य अग्नि तत्व युक्त ग्रह है। अतः उसके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र बौद्धिक एवं मानसिक क्रिया से युक्त होगा तथा श्रमसाध्य के भाव की इसमें अल्पता रहेगी। साथ ही यदा कदा आप इसमें परिवर्तन की भी इच्छा रखेंगी तथा इससे आपको लाभ ही होगा। इसके अतिरिक्त आप स्वतंत्र व्यवसाय की भी इच्छा रखेंगी।

दिग्वली सूर्य की दशमभाव में स्थिति के प्रभाव से आपके लिए राजनीति या प्रशासकीय सेवा, औषधि विज्ञान, सरकारी कर्मचारी, ऊर्जा एवं शक्ति विभाग, विद्युत विभाग एवं कलात्मक क्षेत्र आजीविका के लिए उत्तम रहेंगे। इन क्षेत्रों या विभागों में कार्यरत होने से आप इच्छित सफलता शीध्र ही प्राप्त करेंगी एवं उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगी। अतः आपको यत्नपूर्वक उपरोक्त विभागों में ही अपने कार्यक्षेत्र का चुनाव करना चाहिए जिससे आप सुगमता से उन्नति प्राप्त कर सकें एवं अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों से सुरक्षित रहें।

व्यापारिक दृष्टि से आपके लिए कैमिस्ट, ऊनी तथा मूल्यवान वस्त्रों का व्यापार, रत्न संबंधी कार्य, कलात्मक वस्तुओं का व्यापार, खेती सरकारी कार्य या ठेके आदि से आपको पूर्ण लाभ एवं उन्नति की प्राप्ति होगी। अतः यदि आप व्यापार करने की इच्छुक हों तो उपरोक्त वस्तुओं तथा क्षेत्रों में ही व्यापार को प्रारंभ करें। इससे आपको वांछित लाभ एवं उन्नति मिलेगी तथा उन्नति मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

दशम भाव में सूर्य के प्रभाव से आप सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा सम्मान से युक्त रहेंगी तथा जीवन में किसी उच्चाधिकार प्राप्त पद को भी प्राप्त करेंगी। आप एक सौभाग्यशाली महिला होंगी तथा इसके प्रभाव से आपको दूर दूर तक प्रसिद्धि भी मिलेगी। साथ ही आपके प्रभाव को सभी लोग स्वीकार करेंगे एवं यथोचित मान सम्मान भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त आप किसी सामाजिक या सांस्कृतिक संस्था में किसी पदाधिकारी के रूप में भी कार्य करेंगी जिससे आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

आपके पिता तेजस्वी पराक्रमी शिक्षित एवं बुद्धिमान व्यक्ति होंगे तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा जिससे सभी लोग उनसे प्रभावित होंगे तथा यथोचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आपके प्रति उनका पूर्ण स्नेह भाव होगा तथा शिक्षा दीक्षा का उचित प्रबंध करेंगी। साथ ही आपके कार्यक्षेत्र की उन्नति एवं सफलता में उनका विशिष्ट योगदान रहेगा तथा उनके प्रभाव से आपको काफी सहयोग मिलेगा। आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धालु एवं आज्ञाकारी होंगी तथा सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आपसी सलाह एवं सहयोग से सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने उत्तम कार्य कलापों से आप पिता की प्रतिष्ठा में वृद्धि करेंगी। आपके परस्पर संबंधों में भी मधुरता रहेगी एवं वैचारिक तथा सैद्धान्तिक समानता भी होगी जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न नहीं होंगी।

MADHAV SONIA

एस्ट्रोग्राफ – 2025

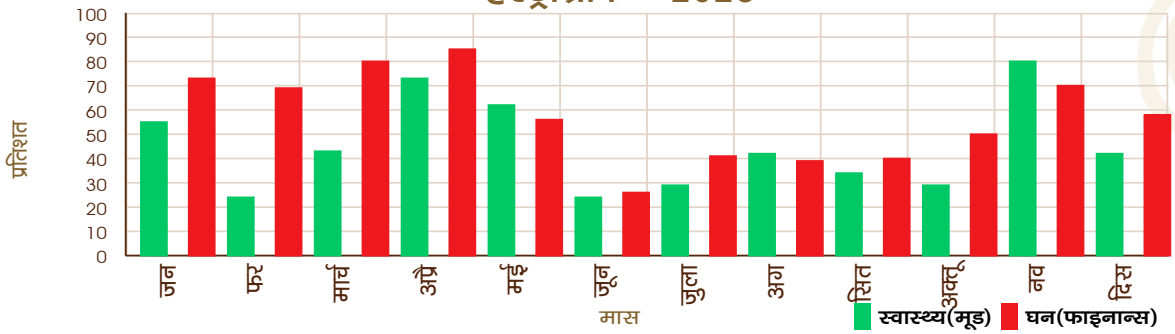

Ms.

एस्ट्रोग्राफ – 2025

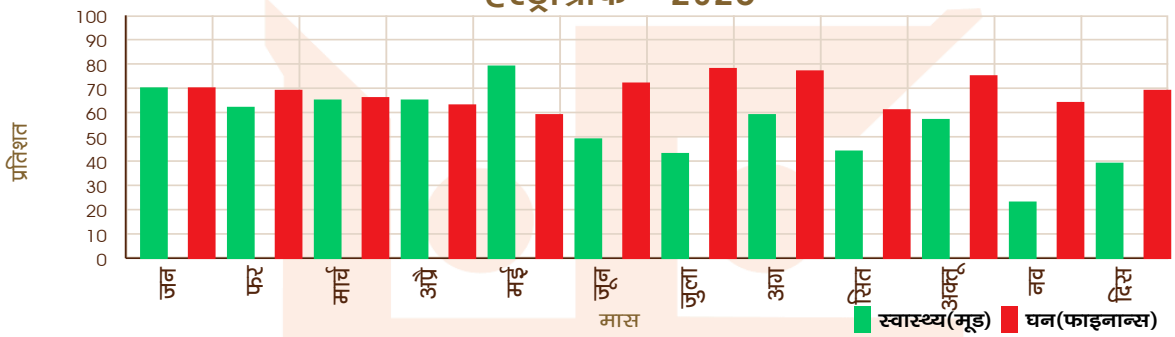

MADHAV SONIA

एस्ट्रोग्राफ – 2026

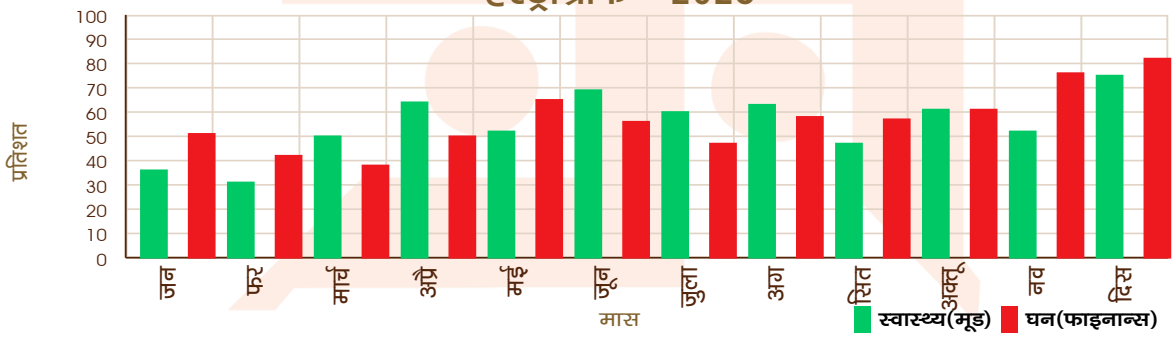

Ms.

एस्ट्रोग्राफ – 2026

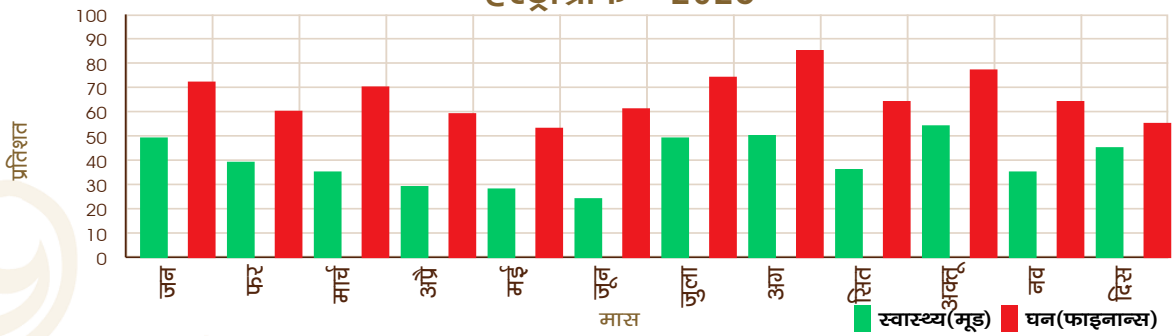

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

MADHAV SONIA

एस्ट्रोग्राफ – 2027

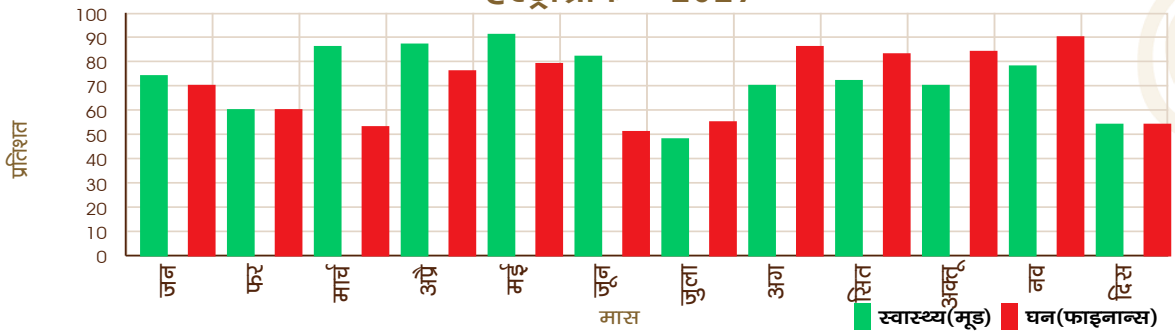

Ms.

एस्ट्रोग्राफ – 2027

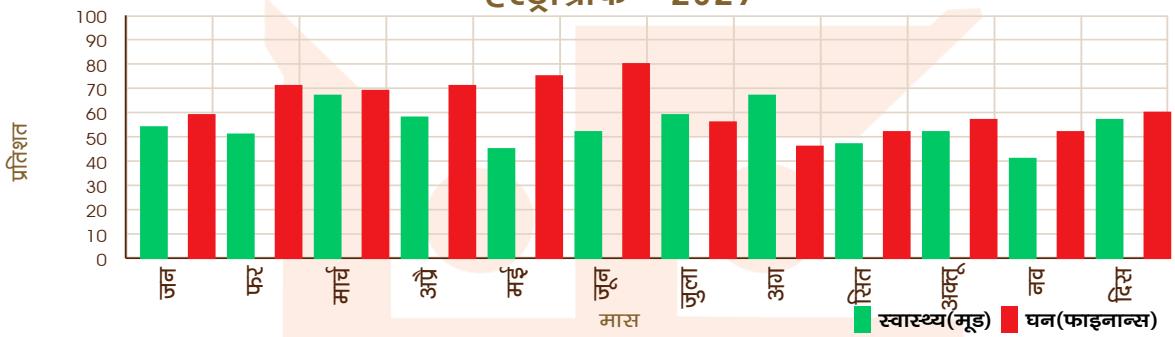

MADHAV SONIA

एस्ट्रोग्राफ – 2028

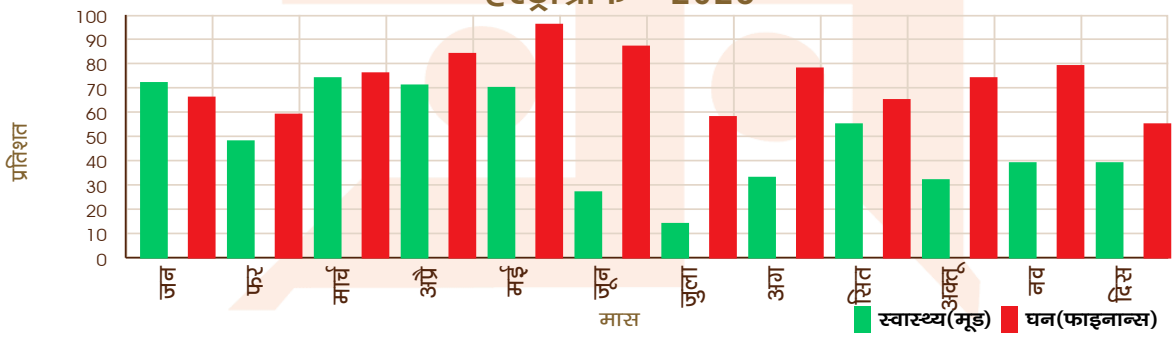

Ms.

एस्ट्रोग्राफ – 2028

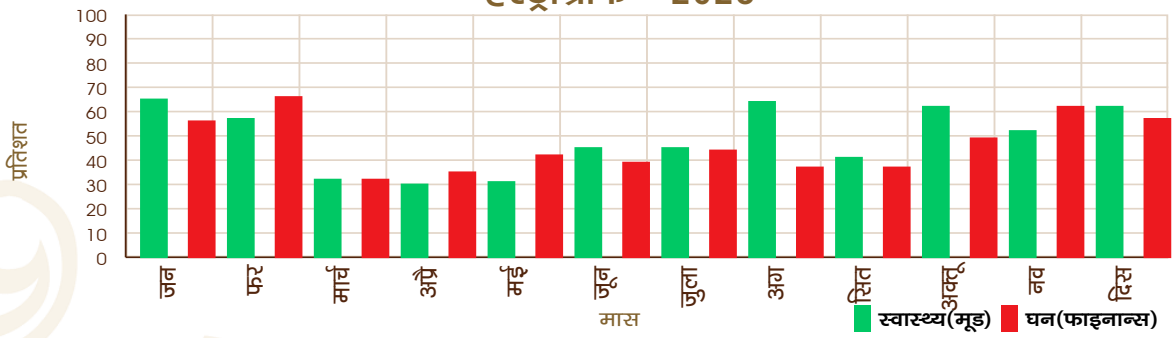

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com

MADHAV SONIA

एस्ट्रोग्राफ – 2029

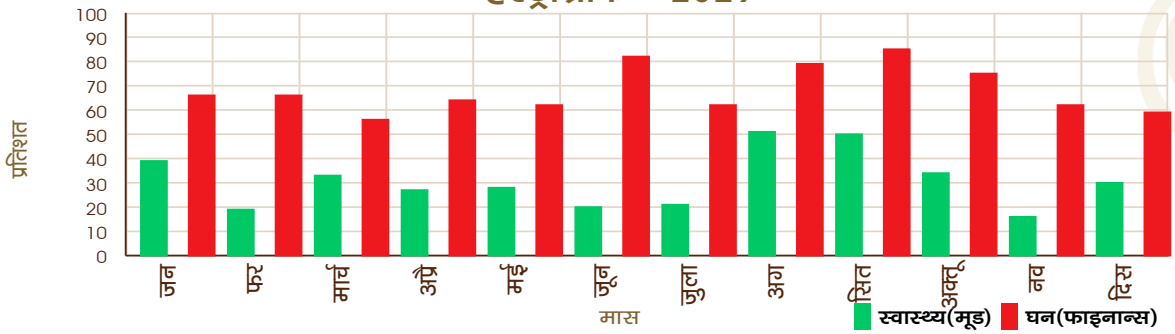

Ms.

एस्ट्रोग्राफ – 2029

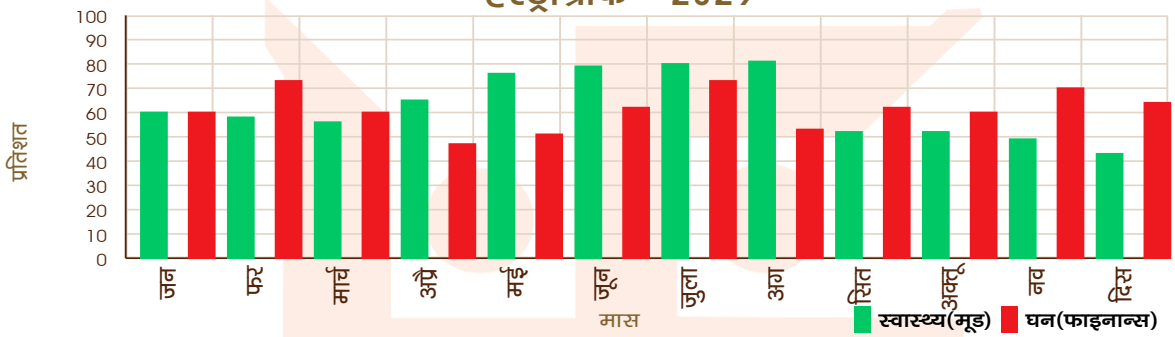

MADHAV SONIA

एस्ट्रोग्राफ – 2030

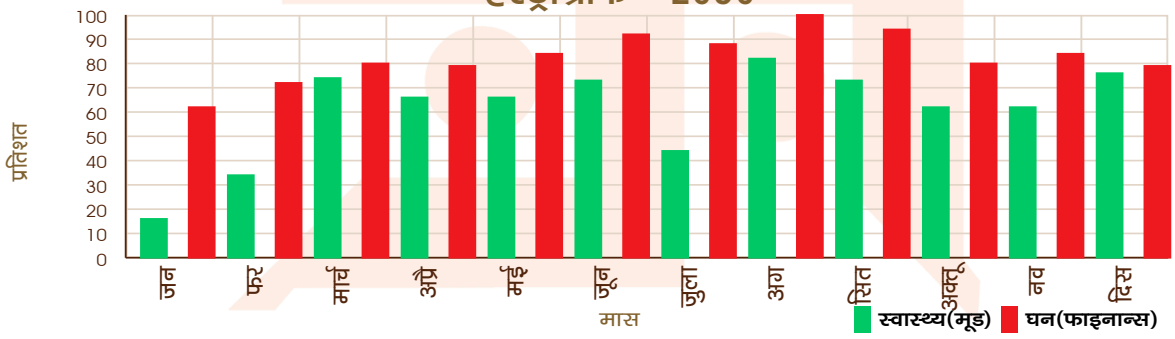

Ms.

एस्ट्रोग्राफ – 2030

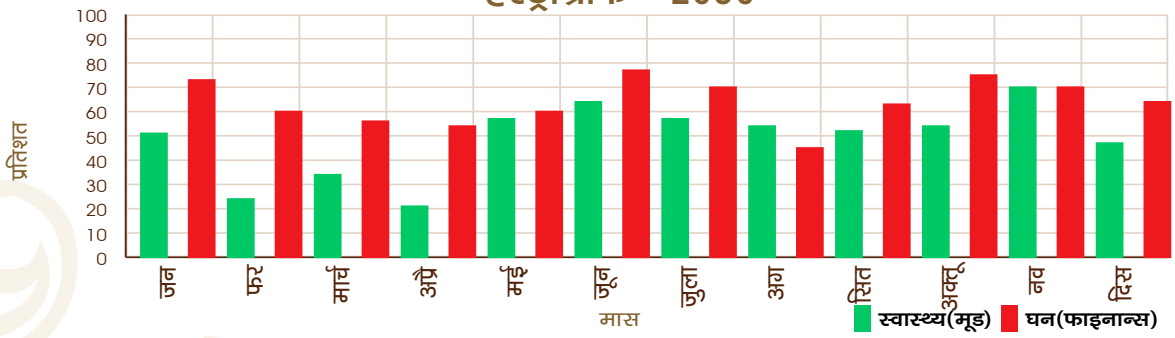

SURESH MAHARAJ
ASTROLOGER AND VASTU CONSULTANT .
+91 9860000004
suresh.maharaj64@gmail.com, www.sureshmaharaj.com